संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 257
पृष्ठ 8
रविवार
07 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- यूपी वाली तहरी २० मिनट में...

विचार- पद्म विभूषण, धर्मेंद्र और कानून...

खेल- 15 साल के सूर्यवंशी की भारतीय...

रंग में भंग डाला तो वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा-योगी

- पहले रामभक्त नहीं जा पाते थे अयोध्या, अब रामद्रोही नही- सीएम।
- मुख्यमंत्री गोंडा में किया 516 करोड़ की 262 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास।
- पहले गुंडों के आगे नतमस्तक थे सत्ताधारी।

लखनऊ (संवाददाता)। सीएम योगीआदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि अब वह नहीं होगा, जो 2017 के पहले होता था। 2015-16 में दुर्गा पूजा में गोंडा में दंगे की चेष्टा की गई थी। तब मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन नहीं होने दिया जाता था। रामलीला में अड़चन डाली जाती थी। त्योहार व उत्सव से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। 2017 से पहले सत्ता में बैठे लोग दंगाइयों व पेशेवर गुंडों के सामने नतमस्तक होते थे। प्रदेश में महीनों कर्फ्यू रहता था। लेकिन, अब किसी ने उत्सव के रंग में भंग डाला तो उसका वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोंडा के कटरा विधानसभा क्षेत्र में 256 करोड़ रुपये व करनैलगंज में 260 करोड़ रुपये 516 करोड़ रुपये की 262 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन कराया तथा स्टॉल्स का अवलोकन किया। सीएम ने कहा कि असुरक्षा के वातावरण में निवेश नहीं होता। 2017 से पहले राज्य में पहचान का संकट, नौजवान बेहाल, किसान परेशान, बहन-बेटियां असुरक्षित थीं। जब विकास के पिछले पायदान में हमारी गिनती होती थी तो सम्मान भी नहीं मिलता था। 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 826 विकास खंडों, 762 नगर निकायों, लगभग 14 हजार वार्डों, 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को बिना रोक-टोक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। गोंडा के युवा ऊर्जावान, किसान परिश्रमी, बहन-बेटियां प्रतिभाशाली हैं। कारीगरों व हस्तशिल्पियों ने अपने हुनर की छाप देश-दुनिया तक पहुंचाने में कोई कोताही नहीं की। गोंडा ने स्वाधीनता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के बाद यहां जो अपेक्षित विकास होना चाहिए था, वह तुष्टिकरण, अराजकता, भाई-भतीजावाद, जातिवाद की भेंट चढ़ गया और इसका खामियाजा जनपद को भुगतना पड़ा। गोंडा विकास के अभाव में पिछड़ता गया।एक समय ऐसा भी आ गया, जब अन्य जनपदों की भांति ही गोंडा के नौजवानों के सामने भी पहचान का संकट हो गया। प्रदेश में नौकरी-रोजगार नहीं था। नौजवान जब बाहर जाते थे तो अन्य प्रदेशों के लोग 10 कदम की दूरी बना लेते थे। शंका भरी निगाहों से देखते थे। 12 वर्ष में पीएम मोदी व 9 वर्ष में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का परिणाम है कि अब यूपी का नाम आते ही सामने वाले का चेहरा खिल जाता है और वह आपको गले लगाने को उतावला दिखता है।

अब बाहर वाले मित्रवत व्यवहार करते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि भगवान राम की असीम कृपा प्राप्त करनी है तो अयोध्या के बगल वाले जनपद गोंडा वालों से मैत्री करो। अब यूपी के नौजवानों को सरकारी नौकरी मिल रही है। यूपी पुलिस की 60,244 भर्तियों में गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर के नौजवानों को भी नौकरी मिली। निवेश केवल नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ में नहीं हो रहा, बल्कि गोंडा में भी निवेश होने से स्थानीय नौजवानों को रोजगार मिल रहा है। अभी मंच पर 20 लाभार्थियों को अलग-अलग योजनाओं का लाभ मिला। डबल इंजन सरकार की ताकत है कि अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण हो गया। गोंडा वालों ने तो राम मंदिर आंदोलन को अपनी आंखों से देखा है। 40 साल से ऊपर की पीढ़ी ने आंदोलन में भाग लिया और तत्कालीन सरकारों के अत्याचारों को झेला। तब राम का नाम लेने पर प्रतिबंध था, डंडे व गोलियां चलती थीं। रामभक्त अपने प्रभु राम की अयोध्या में नहीं जा सकते थे। अब अयोध्या में रामभक्त ही जा सकते हैं, रामद्रोही नहीं। बिना भेदभाव पात्रों को गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। गोंडा में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज, कंपोजिट विद्यालय आदि का सपना साकार हो रहा है। मतदाताओं से कहा कि अच्छे लोगों को चुनेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे। गलत लोगों को चुनने पर खामियाजा भुगतना पड़ता है। 2017 के पहले विकास एक गांव तक ही सीमित था। श्रावस्ती की पौराणिकता का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एयरपोर्ट निर्माण हो रहा है। महाराजा सुहेलदेव ने एक हजार वर्ष पहले विदेशी आक्रांताओं का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

वैश्विक संकट के बीच भारत की नई आर्थिक रणनीति

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक उथल-पुथल और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा कदम उठाया है। दुनिया भर में चल रहे आर्थिक संकटों के बीच भारत को एक मजबूत शक्ति बनाए रखने के उद्देश्य से, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (PM-EAC) के सदस्यों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस उच्च स्तरीय बैठक का मुख्य

फोकस देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए नई रूपरेखा तैयार करना रहा। प्रधानमंत्री और आर्थिक सलाहकार परिषद के बीच हुई इस बैठक में मुख्य रूप से उन रणनीतियों पर मंथन किया गया, जो भारत को वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भी तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। बैठक के दौरान, वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के समय में भारत की आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण विचारों और नए उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल नीतियां बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधार करना भी जरूरी है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, बैठक में आम नागरिकों और व्यापार जगत के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर जोर दिया गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से रुकती धांधलीय तंत्र में बदलाव बेहद जरूरी : शरद पवार

पुणे (एजेंसी)। देश में नीट परीक्षा को लेकर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने इस संकट को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। पुणे में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान पवार ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) के संचालन में यदि तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सही समय पर इस्तेमाल किया गया

होता, तो आज यह स्थिति पैदा ही नहीं होती। शरद पवार ने कहा कि इस पूरे घोटाले को तकनीक की मदद से रोका जा सकता था। जब उनसे पूछा गया कि क्या एआई के उपयोग से नीट घोटाला टल सकता था, तो उन्होंने जवाब दिया कि अगर यह काम पहले ही कर लिया गया होता, तो आज देश के सामने यह नौबत ही नहीं आती। पवार ने एआई को लेकर कहा कि आज कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, हर क्षेत्र में इसके जरिए बड़े बदलाव आ रहे हैं। हमें हर क्षेत्र में एआई को अपनाने के प्रयास तेज करने चाहिए। एनटीए के मौजूदा घटनाक्रम पर बात करते हुए शरद पवार ने किसी का नाम लिए बिना एक वरिष्ठ अधिकारी का बचाव किया।

यह लड़ाई लंबी, हम पीछे हटने वाले नहीं

जंतर-मंतर से बोले अभिजीत दीपके, धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र और युवा जुटे। इस दौरान सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार और शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लंबी है और छात्र पीछे हटने वाले नहीं हैं। नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी जैसी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हुआ यह प्रदर्शन पूरे दिन चर्चा का केंद्र बना रहा।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि पिछले एक महीने से सोशल मीडिया पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार कार्रवाई करने के बजाय

आंदोलन को दबाने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पोस्ट हटवाने और अकाउंट हैक कराने की कोशिश की गई। दीपके ने मंच से कहा, श्आप हमारी पोस्ट हटा सकते हैं, लेकिन हमें इस जगह से मिटा नहीं सकते। उनके इस बयान पर प्रदर्शन स्थल पर मौजूद युवाओं ने जोरदार नारेबाजी की।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ बड़ी संख्या में युवा पेशेवर भी पहुंचे। कई प्रदर्शनकारी कॉकरोच मास्क पहने दिखाई दिए। कुछ लोग हाथों में फूल और तिरंगा लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने श्धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दोश और श्मेक इन इंडिया नहीं, लीक इन इंडियाश जैसे नारे लगाए। कई छात्र अपने अभिभावकों के साथ भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह राजनीतिक और छात्र आंदोलनों जैसा नजर आया।

अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन शुरू होने से पहले समर्थकों से साफ कहा था कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहना चाहिए। उन्होंने लोगों से किताब और तिरंगा लेकर आने की अपील की थी। साथ ही पुलिसकर्मियों को सम्मान के तौर पर फूल देने की बात भी कही। दीपके ने कहा कि यह आंदोलन प्यार और शांति के रास्ते पर चलेगा। प्रदर्शन से पहले सीजेपी ने सोशल मीडिया पर दिशा-निर्देश भी जारी किए थे, जिसमें किसी तरह के टकराव से बचने को कहा गया था।

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी इस आंदोलन को समर्थन दिया है। अभिजीत दीपके ने मंच से उनका धन्यवाद किया और कहा कि वह जल्द प्रदर्शन में शामिल होंगे। वांगचुक ने कहा है कि अगर अभिजीत दीपके को गिरफ्तार किया गया तो वह छह सप्ताह का उपवास करेंगे। इससे आंदोलन को और ज्यादा चर्चा मिली है। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता जरूरी है और छात्रों की आवाज दबाई नहीं जानी चाहिए।

'चार्जशीट के दस्तावेजों तक आरोपी की पहुंच रोकी नहीं जा सकती' : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बनने वाले दस्तावेजों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे दस्तावेजों को छिपाना आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। यह फैसला जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस

एएस चंदुरकर की पीठ ने सुनाया। पीठ ने सेवानिवृत्त मेजर जनरल वीके सिंह को कुछ अत्यधिक गोपनीय दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मेजर जनरल वीके सिंह 1923 के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत 2007 में दर्ज एक मामले में अभियोजन का सामना कर रहे हैं। पीठ ने गौर किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यह नहीं कहा है कि सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेज मुकदमे के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। अभियोजन पक्ष की एकमात्र आपत्ति यह थी कि ये दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से अत्यधिक गोपनीय हैं।

किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा : सीएम शिवकुमार

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे को आंतरिक चर्चाओं के जरिए सुलझाया जाएगा। रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे के एलान से उपजे हालातों को शांत करने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बीच शिवकुमार की यह टिप्पणी सामने आई है। डीके शिवकुमार ने कहा, षकिसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे।ष यह बयान सरकार की वरिष्ठ नेता को कैबिनेट में बनाए रखने की दृढ़ता का संकेत देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें रेड्डी का इस्तीफा मिला है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि कोई भी फैसला लेने से पहले चर्चाएं जारी रहेंगी। कर्नाटक के सीएम ने कहा, ष्रामलिंगा रेड्डी ने शायद मुझे व्हाट्सएप पर अपना इस्तीफा भेजा हो। मैं पूरी रात व्यस्त था।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था : रक्षा मंत्री

पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, श्ऐसे समय में जब कई देश आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी और चौथी तिमाही

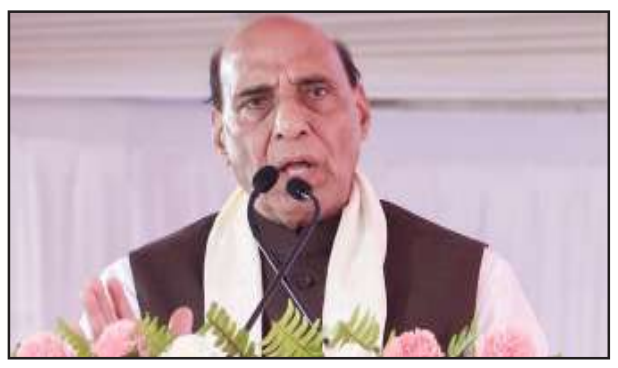

में यह रफ्तार बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12वर्षों में श्रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्मश के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है।

इस दौरान, रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास के साथ-साथ स्थिरता, आत्मविश्वास, टिकाऊपन और विश्वसनीयता को भी आगे बढ़ाया है। राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता पर उनका ध्यान और अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियों के बीच देश को सही दिशा देने की उनकी क्षमता ने भारत को एक आत्मविश्वासी, मजबूत और दुनिया भर में सम्मान पाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।श राजनाथ सिंह ने आगे लिखा, श्जैसे-जैसे भारत श्विकसित भारतश के विजन की ओर बढ़ रहा है। विकास की यह शानदार कहानी नए अवसर पैदा कर रही है। 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों को मजबूत कर रही है। इससे पहले, केंद्रीय गृह अमित शाह ने जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर प्रसन्नता जताई।

प्रीपेड मीटर का रिचार्ज बंद, सैकड़ों फ्लैट में अंधेरा

प्रयागराज। प्रीपेड मीटर का रिचार्ज बंद होने और उसके अब तक पोस्टपेड न हो पाने के कारण कटका स्थित शुभालय अपार्टमेंट के सैकड़ों फ्लैट में अंधेरा छा गया। लोग अपनी शिकायत लेकर त्रिवेणीपुरम स्थित सहायक अभियंता कार्यालय पहुंचे तो वहां कहा गया कि आप जाकर उच्च अफसरों से मिले और दूसरा मीटर बदलवाएं। एसडीओ राकेश कुमार पाल और

अवर अभियंता दीपक भारतीया के रवैये से लोगों में भारी आक्रोश है। अपार्टमेंट अध्यक्ष प्रीति सिंह भदौरिया, महामंत्री बीना पांडेय, प्रो. जीतेंद्र भदौरिया और अरुण पांडेय आदि ने बताया कि जीरो बैलेंस होने पर फ्लैट में अंधेरा पसर गया है। शुक्रवार को अपार्टमेंट के रीना श्रीवास्तव,आशीष शुक्ला, नीरज श्रीवास्तव, गुलजार सिंह नामधारी, जितेंद्र कुमार आदि के फ्लैट में जीरो बैलेंस होने पर बत्ती गुल थी। एसडीओ राकेश कुमार पाल का कहना है कि समस्या के बारे में जानकारी है। शनिवार को इसका निस्तारण कर दिया जाएगा।

जर्जर सड़क पर भड़के ग्रामीण, पत्थर उठाकर प्रदर्शन

प्रयागराज। ब्लॉक क्षेत्र के खैरूआ व डिहवा बस्ती में जर्जर सड़क को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सड़क से निकले नुकीले पत्थर हाथ में लेकर प्रदर्शन किया और

जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि खैरूआ–डिहवा मार्ग करीब 20 वर्ष पहले बना था लेकिन वर्षों से मरम्मत नहीं हुई। सड़क पर गड्ढे और उभरे पत्थर हादसों को न्योता दे रहे हैं। कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। समाजसेवी अमित पांडेय 'रफ्तार' ने चेतावनी दी कि जल्द मरम्मत न हुई तो उग्र आंदोलन होगा। प्रदर्शन में रामधनी, यूसुफ, यासीन, चंद्रमणि, मालाधारी यादव, महेंद्र, सत्यप्रकाश और सोनू मौजूद रहे।

जिले के 42 केंद्रों पर होगी पुलिस भर्ती परीक्षा, तैयारी पूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 की लिखित परीक्षा सकुशल कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। जिले के 42 केंद्रों पर आठ, नौ और 10 जून को परीक्षा होगी। जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को डीएम की अध्यक्षता में सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापक और अधिकारियों के संग बैठक की। डीएम ने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षा सामग्री को स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक की उपस्थिति में सीसीटीवी निगरानी के बीच ही प्राप्त कराया जाए। परीक्षा अवधि के दौरान सभी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए। परीक्षा समाप्त होने के बाद गोपनीय सामग्री को निर्धारित रूट से पुलिस अभिरक्षा में डबल लॉक व्यवस्था के तहत सुरक्षित जमा कराया जाए। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त विजय धुल, डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य, अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर लोकल पानी बेचने वाले तीन धरे, मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर अवैध वेंडरों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक डीएस यादव के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान स्टेशन के अलग–अलग प्लेटफार्मों और ट्रेन से भारी मात्रा में अमानक (लोकल) पानी की बोतलें बरामद की गईं। उप निरीक्षक जितेंद्र नाथ आर्य, सहायक उप निरीक्षक राकेश चंद्र द्विवेदी व हमराह स्टाफ ने प्लेटफार्म संख्या एक पर स्थित एएच व्हीलर मल्टीपरपज स्टॉल से दिलीप कुमार गुप्ता निवासी साउथ मलाका को एक लोकल ब्रांड की कंपनी का 36 बोतल लोकल पानी बेचते हुए पकड़ा। इसी क्रम में टीम ने प्लेटफार्म संख्या पांच व छह पर स्थित श्याम ढाबा स्टॉल से अनिल कुमार जायसवाल निवासी गोहानिया, घूरपुर को 264 बोतल अमानक पानी के साथ दबोचा। वहीं गाड़ी संख्या 12792 से गोपाल केसरवानी निवासी जीरो रोड को भी अवैध रूप से पानी बेचते हुए पकड़ा गया। आरपीएफ ने तीनों आरोपियों के कब्जे से कुल 300 से अधिक अमानक पानी की बोतलें जब्त की हैं। पकड़े गए तीनों वेंडरों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

हिंदी व संस्कृत के प्रश्नपत्रों पर छात्रों ने उठाए सवाल, स्तर और त्रुटियों पर जताई चिंता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित टीजीटी और पीजीटी भर्ती परीक्षा के हिंदी व संस्कृत विषयों के प्रश्नपत्रों को लेकर प्रतियोगी छात्रों में असंतोष है। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शीतला प्रसाद ओझा ने आयोग के अध्यक्ष को ज्ञापन भेजकर प्रश्नपत्रों के स्तर और उनमें कथित त्रुटियों पर पुनर्विचार की मांग की है। ओझा का कहना है कि टीजीटी और पीजीटी जैसी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र संबंधित विषयों के मानक और पाठ्यक्रम के अनुरूप होने चाहिए। संस्कृत विषय के प्रश्नपत्र में कुछ अनुवादात्मक एवं विकल्प संबंधी त्रुटियां भी अभ्यर्थियों द्वारा इंगित की गई हैं। ऐसे मामलों में अभ्यर्थी भ्रमित हो जाते हैं और परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि शिक्षक भर्ती परीक्षा का स्तर ऐसा होना चाहिए जिससे विषय की गहन समझ रखने वाले अभ्यर्थियों का सही मूल्यांकन हो सके।

अभिषेक बेदखल था तो घर में रहकर कैसे चला रहा था दुकान? पड़ोसियों ने खोला राज

प्रयागराज। प्रयागराज में हुए सामूहिक हत्याकांड में पुलिस की थ्योरी पर पड़ोसियों ने सवाल उठाए हैं। पड़ोसियों ने छोटे बेटे की बेदखली की बात कही है। मृतक अभिषेक के लिए कभी इस पर चर्चा नहीं हुई। पुलिस ने दावा किया था कि अभिषेक को संपत्ति से बेदखल किया गया था। आर्थिक तंगी और संपत्ति विवाद से नाराज था।

प्रयागराज के साउथ मलाका में वैश्य परिवार हत्याकांड की जांच के बीच अब बेटे अभिषेक की कथित बेदखली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। दावा था कि वर्ष 2022 में कारोबारी वीरेंद्र वैश्य ने अपने बेटे अभिषेक को संपत्ति से बेदखल कर दिया था। पड़ोसियों में चर्चा है कि अभिषेक वर्षों से उसी मकान में रह रहा था। घर पर ही अपनी दुकान भी चलाता था। वह रोजाना घर आता–जाता था। परिवार के साथ ही रहता था। यदि उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया गया था तो फिर वह उसी मकान में किस हैसियत से रह रहा था?

परिवार में मतभेद और विवाद की बातें जरूर सुनने को मिलती थीं लेकिन अभिषेक को घर से निकाले जाने या उसके बेदखल होने की चर्चा कभी सार्वजनिक रूप से नहीं हुई। अभिषेक मकान के निचले हिस्से में स्थित एक दुकान से फ्लोर क्लीनर, टॉयलेट क्लीनर, लिक्विड डिटर्जेंट और अन्य उत्पादों का कारोबार करता था।

जांच में खुल सकते हैं नए तथ्य

पुलिस अब संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, सहित अन्य दस्तवेजों की पड़ताल कर रही है। साथ ही यह समझने का प्रयास कर रही हैं कि पिता–पुत्र के बीच विवाद की वास्तविक स्थिति क्या थी?

अश्विनी की बेदखली की चर्चा जरूर थी

चर्चा है कि छोटे बेटे अश्विनी को संपत्ति से बेदखल किए जाने की जानकारी जरूर थी। करीब 15–20 वर्ष पहले अश्विनी ने परिवार की मर्जी के खिलाफ प्रेम विवाह कर लिया था। इस पर वीरेंद्र वैश्य ने उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया था।

कारोबार भी बना चर्चा का विषय

अभिषेक आर्थिक रूप से संघर्ष जरूर कर रहा था, लेकिन उसका कारोबार पूरी तरह बंद नहीं था। वह अपनी दुकान से उत्पादों की बिक्री करता था। एजेंसी से माल भी मंगवाता था। पुलिस भी अब उसके आर्थिक लेन–देन, कर्ज और कारोबार की वास्तविक स्थिति की जांच कर रही है। चर्चा यह भी है कि जिस व्यक्ति को कथित रूप से संपत्ति से बेदखल किया गया था, उसे परिवार की मार्केट में दुकान संचालित करने की अनुमति क्यों मिली हुई थी? यही सवाल अब जांच का हिस्सा बनता जा रहा है।

पुलिस की थ्योरी

अभिषेक को संपत्ति से बेदखल किया गया था

आर्थिक तंगी और संपत्ति विवाद से नाराज था

दोस्त शनि के साथ मिलकर हत्या के बाद गहने लूटने की साजिश रची

बाद में शनि ने अभिषेक की भी हत्या कर दी

मार्केट में पसरा सन्नाटा, चौथे दिन भी हर किसी की जुबां पर रही हत्या की चर्चा

साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य, बेटी मीनाक्षी वैश्य और बेटे अभिषेक वैश्य की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। चौथे दिन भी इलाके में हालात सामान्य नहीं हो सके। जिस मार्केट में रोज सुबह से देर रात तक ग्राहकों और व्यापारियों की चहल पहल रहती थी वहां अब तक सन्नाटा पसरा हुआ है। कई दुकानें बंद रहीं, जबकि खुली दुकानों पर भी कारोबार प्रभावित दिखाई दिया।

स्थानीय लोग छोटे–छोटे समूहों में खड़े होकर पूरे घटनाक्रम पर चर्चा करते दिखाई दिए। हर किसी के मन में यही सवाल था कि आखिर एक ही परिवार के चार सदस्यों की इतनी बेरहमी से हत्या कैसे कर दी गई।

मार्केट में नहीं लौटी रौनक स्थानीय

लोगों का कहना है कि हत्याकांड के बाद पूरे बाजार का माहौल बदल गया है। जिन दुकानों पर रोज ग्राहकों की भीड़ लगी रहती थी, वहां अब सन्नाटा दिखाई दे रहा है। कई दुकानदार घटना के बाद से मानसिक रूप से परेशान हैं। कुछ लोगों का कहना है कि जिस भवन में चार हत्याएं हुई, उसके आसपास जाने से भी लोग हिचक रहे हैं।

घटनास्थल को देखने पहुंच रहे लोग

सील किए गए मकान के बाहर लोगों की भीड़ लगातार जुट रही है। दूसरे इलाकों से भी लोग घटनास्थल को देखने पहुंच रहे हैं। हालांकि पुलिस किसी को भी परिसर के भीतर जाने की अनुमति नहीं दे रही है। मकान के बाहर बैरिकेडिंग और पुलिस की निगरानी जारी है। जिस परिवार को लोग वर्षों से जानते थे, उसके चार सदस्यों की एक साथ हत्या की खबर आज भी लोगों को स्तब्ध कर रही है।

खुलासे के बाद भी चर्चा कम नहीं

आरोपी शनि गुप्ता की गिरफ्तारी और हत्याकांड के खुलासे के बाद भी लोगों की जिज्ञासा कम नहीं हुई है। कई लोग यह मानने को तैयार नहीं हैं कि इतने बड़े अपराध को केवल दो लोगों ने अंजाम दिया होगा। पुलिस जांच के हर नए पहलू पर लोगों की नजर बनी हुई है।

प्रयागराज सामूहिक हत्याकांड में पुलिस ने किया था ये खुलासा

प्रयागराज के साउथ मलाका सब्जी मंडी चौराहा स्थित मकान में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने 12 घंटे में सुलझा ली। पुलिस का दावा है कि बड़े बेटे अभिषेक ने घर में लूट के इरादे से अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर माता–पिता और बहन की हत्या की थी। बाद में डेढ़ करोड़ रुपये के जेवरात के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में शनि ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुट्ठीगंज निवासी आरोपी शनि को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके कब्जे से एक किलो सोना, 360 ग्राम चांदी, एक हजार रुपये नकदी और ताले की चाभी बरामद की है। वारदात रविवार शाम पांच से छह बजे के बीच अंजाम दी गई। आरोपी शनि ने पूछताछ में बताया कि अभिषेक पिता से नाराज था। पुलिस आयुक्त के मुताबिक, वर्ष 2022 में पिता ने अभिषेक को भी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। अभिषेक कर्ज में डूबा था।

रविवार दोपहर अभिषेक ने शनि को अपनी दुकान पर बुलाया। दोनों ने साथ बैठकर कचौड़ी खाई। बीयर और सिगरेट पी। इस दौरान परिवार की हत्या कर जेवर लूटने की साजिश रची। शाम करीब पांच बजे रोजाना की तरह मीनाक्षी नीचे दुकान खोलने आई। जैसे ही उसने सीढ़ियों का दरवाजा खोला, अभिषेक ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। शनि ने उसे धक्का दिया और दोनों उसे घसीटते हुए ऊपर ले गए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बहन की हत्या के बाद दोनों ऊपर कमरे में पहुंचे। वहां पिता वीरेंद्र और मां अनीता दोनों सो रहे थे। आरोपियों ने उन पर भी लोहे की रॉड और पाइप से ताबड़तोड़ वार किए। सिर पर गंभीर चोट लगने से दोनों की मौत हो गई। इसके बाद दोनों ने अलमारी खंगाली और घर में रखे जेवर और कीमती सामान समेट लिए।

वहीं, जांच में पता चला की शनि के बाल व डाढ़ी काफी लंबे थे घटना के बाद उसने पहचान छुपाने की नियत से बाल व डाढ़ी का कटवा दिया। साथ ही शव को बाहर निकालते वक्त आरोपी ने खुद भी मदद की थी। इस दौरान उसके हाथों में पट्टी बंधी थी जो हत्या के दौरान उसे चोट लगी थी, जब पुलिस ने पूछा तो उसने बताया कि उसे कुत्ते ने काट लिया था।

अधिकमास में देर रात सावन सी झड़ी

प्रयागराज। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिन भर तपाने के बाद लुकाछिपी खेल रहे बादल शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात गरज–चमक के साथ खूब बरसे। अधिकमास में देर रात सावन जैसी झड़ी ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों में धूप–छांव के साथ बारिश के आसार हैं। शुक्रवार की सुबह छाए बादल नौ बजे के करीब उड़ गए। दिन में सूरज आग उगलने लगा। तेज धूप से बढ़ी तपिश रात आठ बजे के बाद भी महसूस की गई। शाम करीब चार बजे से शुरू हुई बादलों की आवाजाही लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं दिला सकी।

रात करीब 11 बजे हवाओं की गति धीरे–धीरे बढ़ने लगी। करीब 11रू30 बजे धूल भरी आंधी ने मौसम में बदलाव का संकेत दिया। फिर देखते ही देखते तेज बारिश होने लगी। करीब पौन घंटे की बारिश फिर बूंदाबांदी से मौसम सुहाना हो गया लेकिन जगह–जगह जलजभराव हो गया।

मौसम वैज्ञानिक इविवि के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक हम प्री मानसून की बारिश देख रहे हैं। अगले दो दिन मौसम में उतार–छांव बना रह सकता है। तेज धूप के बाद छांव फिर बादलों की आवाजाही के आसार हैं। कहीं बारिश तो कहीं–कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। उमस भरी गर्मी परेशान करेगी।

3 दिवसीय प्रतियोगिता में 42वीं पीएसी नैनी विजयी

प्रयागराज। 42 वीं पीएसी नैनी में आयोजित 25वीं अंतरवाहिनी पीएसी पूर्वी जोन कंप्यूटर, एंटी सैवोटॉज चेक, विधि विज्ञान, पुलिस फोटोग्रॉफी, वीडियोग्रॉफी एवं डॉग स्कवाड प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में 42वीं पीएसी नैनी प्रयागराज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें पीएसी पूर्वी जोन की 42वीं वाहिनी, 04 वी वाहिनी, 12 वीं वाहिनी, 20 वीं वाहिनी, 33 वीं वाहिनी, 34 वीं वाहिनी, 36 वीं वाहिनी, 37 वीं वाहिनी, 39 वीं वाहिनी, 48 वीं वाहिनी कुल 10 वाहिनी के प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी कानपुर अनुभाग अतुल शर्मा रहे। सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। साथ ही प्रतियोगिता में सहयोग करने के लिए शुआट्स के स्टॉफ को भी सम्मानित किया गया। मौके पर चतुर्थ वाहिनी पीएसी सेनानायक सर्वेश कुमार मिश्रा, 42वीं वाहिनी पीएसी उपसेनानायक उदय प्रताप सिंह, वाहिनी चिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शिविरपाल अरविंद कुमार सिंह, सहायक शिविरपाल हरदास, सूबेदार मेजर राधेश्याम यादव आदि मौजूद रहे।

यूपी टीजीटी अंग्रेजी परीक्षा में पाठ्यक्रम से बाहर पूछे गए 37 प्रश्नों का दावा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित टीजीटी अंग्रेजी विषय की परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों ने आपत्ति दर्ज कराई है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पेपर में बड़ी संख्या में ऐसे प्रश्न शामिल किए गए जो आयोग के निर्धारित पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर थे। अभ्यर्थियों ने आयोग के सचिव को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा की निष्पक्ष समीक्षा कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि टीजीटी अंग्रेजी विषय के (प्रश्नपत्र क्रमांक 208108997) प्रश्न संख्या पांच, 10, 12, 16, 18, 21, 22, 24, 31, 33, 34, 37, 40, 46, 48, 49, 52, 72, 77, 81, 82, 85, 93, 95, 97, 98, 102, 103, 110, 111, 112, 113, 115, 118, 119, 121 और 122 सहित 37 प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम से बाहर पाए गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में उच्च स्तर के प्रश्न पूछे जा सकते हैं, लेकिन उनका संबंध निर्धारित सिलेबस और परीक्षा की प्रकृति से होना चाहिए। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन में वर्ष 2004 का उदाहरण भी दिया है, जब पाठ्यक्रम से बाहर प्रश्न पूछे जाने के कारण परीक्षा निरस्त की गई थी। उधर, आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी आयोग आए थे, उन्हें प्रमाण के साथ डिटेल उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। डिटेल मिलने के बाद परीक्षण कराया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में राजवीर, आरपी मिश्रा, सुशील कुमार, आकांक्षा मिश्रा, विवेक कुमार राव, अनुज प्रताप सिंह, सीमा और संगीता आदि शामिल हैं।

फंदे से लटका मिला बुजुर्ग का शव

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत मुंगारी हरदुआ गांव में शुक्रवार सुबह एक बुजुर्ग का शव हाईटेंशन टावर पर फंदे पर लटकता मिला। शव की पहचान गांव के ही देवी प्रसाद (60) के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को फंदे से उतारकर विधिक कार्रवाई की। ग्रामीणों ने बताया कि देवी प्रसाद मजदूरी करता था। उसके तीन बेटे और एक बेटी हैं। उसके दो बेटे सूरत में नौकरी करते हैं। अभी एक सप्ताह पहले ही दोनों बेटे सूरत गए थे। जबकि छोटा बेटा अपनी मां के साथ गांव में ही रहता है। परिजनों के अनुसार आधी रात के बाद वह घर से बाहर निकले थे। सुबह गांव वालों ने सूचना दी कि वह गांव के पास बिजली विभाग के हाईटेंशन टावर पर फंदे पर लटक रहे है। परिजनों ने उनकी हत्या की अशंका जताई है लेकिन मामले में पुलिस को किसी तरह की कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी कमलेश पटेल ने कहा कि परिवार वालों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।

शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

प्रयागराज। क्षेत्र के खंदौली गांव में शुक्रवार को प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित भंडारे में आसपास के गांव के लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। मलमास में भगवान शिव के मंदिर में विधि–विधान से पूजन–अर्चन एवं रुद्राभिषेक किया गया। जहां दोपहर तीन बजे से विशाल भंडारे का आयोजन शुरू किया गया। भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की व्यवस्था मंदिर समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से की गई। इस दौरान ग्राम प्रधान जीत लाल, विवेक निर्मल, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

आवश्यकतानुसार उर्वरकों की मांग करें समितियां: अजय शुक्ल

प्रयागराज। प्रदेश के प्रमुख सचिव सहकारिता अजय शुक्ल ने शुक्रवार को साधन सहकारी समिति खागलपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समिति के कार्यों, उर्वरक भंडारण व्यवस्था, वितरण प्रणाली तथा अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने समिति पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप ही उर्वरकों की मांग भेजी जाए ताकि समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा सके और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक की जानकारी ली और अभिलेखों का मिलान किया। साथ ही डिजिटल प्रणाली के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने समिति के कर्मचारियों को निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान डीजीएम हरेंद्र वीर सिंह, जिला सहायक निबंधक सहकारी समितियां विवेक यादव, एडीसीओ हरि नारायण सिंह, एडीओ कोऑपरेटिव धीरज यादव, डीसीबी शाखा प्रबंधक बाबूलाल मौर्य आदि उपस्थित रहे।

औंता में गौरी गौरांगी की कथा का समापन

प्रयागराज। औंता गांव में सप्ताह भर से चल रही अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका गौरी गौरांगी की कथा का शुक्रवार को समापन हुआ। कथा वाचिका ने कहा कि जो प्रेम और स्नेह यहां पर मिला वह सदैव याद रहेगा। आयोजक उरुवा प्रमुख आरती पप्पू गौतम ने कथा वाचिका और उनके टीम को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मौके पर रज्जन गौतम, भोला गौतम, कृष्णा गौतम आदि रहे।

तेज आंधी से पेड़ गिरा, रास्ता बाधित

प्रयागराज। क्षेत्र के उपरौंध इलाके में अचानक तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हुई। हवा इतनी तेज थी कि हाटा चौराहे के पहले दसवार गांव में एक बबूल का पेड़ सड़क पर गिर गया। जिससे घंटों रास्ता बाधित रहा। स्थानीय निवासियों ने पेड़ के टुकड़े करके हटाया, जिससे रास्ता सुचारू हो सका।

बैठक में पौधरोपण का लिया संकल्प

प्रयागराज। भाजपा मऊआइमा नगर मंडल की कार्यसमिति बैठक शुक्रवार को मऊ दोस्तपुर में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री एवं मंडल प्रभारी राजू पाल, ऋतुराज पांडेय ने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में मंडल बैठक, तृतीय रविवार को शक्ति केंद्र बैठक और अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम के बाद बूथ समिति की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

मानव ने पहुँचा दिया खिन्नी को श्मशान

पौधारोपण के साथ कविताओं ने जीता श्रोताओं का दिल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. वीरेंद्र सिंह जी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की!

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लिटरेरी क्लब (इलाहाबाद साहित्यिक अड्डा) एवं औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, खुसरोबाग, प्रयागराज के सभागार में 'जलवायु परिवर्तन से प्राणी जीवन पर गहराता संकट' विषयक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. वीरेंद्र सिंह जी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की!

कार्यक्रम की अध्यक्षता खुसरोबाग प्रभारी विजय किशोर सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि प्रकृति प्रेमी एवं उस्ताद शायर अनवार अब्बास नक़्वी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विवेक श्रीवास्तव एवं प्रेमा राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन दोहाकार डॉ. प्रदीप कुमार चित्रांशी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। डॉ. राहुल शुक्ल ष्साहिलष् ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में साकिब बादल ने आभार व्यक्त किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विजय किशोर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक वर्षा जैसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु वृक्षों का संरक्षण एवं अधिकाधिक पौधारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण के साथ–साथ पौधों की देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए।

मुख्य अतिथि अनवार अब्बास नक़्वी ने कहा कि भूमि, जल और वायु की सुरक्षा मानव जीवन की सुरक्षा है। प्रदूषण को कम करने तथा धरती की उर्वरता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता बताया।

डॉ. राहुल शुक्ल ष्साहिलष् ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रकृति का महत्व मानव जन्म से पूर्व और मृत्यु के बाद तक बना रहता है। साहित्य की अधिकांश सृजनात्मक अभिव्यक्तियाँ प्रकृति के इर्द–गिर्द ही विकसित हुई हैं। वैदिक साहित्य की अनेक ऋचाएँ प्रकृति संरक्षण और उसकी उपासना पर केन्द्रित हैं।

द्वितीय सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन एवं काव्य गोष्ठी में साहित्यकारों ने प्रकृति संरक्षण, जल–संरक्षण और पर्यावरणीय चेतना पर आधारित अपनी रचनाओं का पाठ किया। डॉ. राहुल शुक्ल ष्साहिलष् ने अपने दोहे में कहा–

सकल धरा सुन्दर बने, पौधे हो चहुँ ओर।
मिलकर संरक्षण करें सुखमय होगा भोर।।

प्रख्यात शायर फरमूद इलाहाबादी ने वृक्षों की अंधाधुंध कटाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा–

बाढ़ आए या कहीं सूखा पड़े, दन दना दन दन कुल्हाड़ी है, तो है।

संजय सक्सेना ने पारिवारिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित अपनी रचना प्रस्तुत की। रचना सक्सेना ने आशा, संघर्ष और प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा को अपनी कविता में अभिव्यक्त किया। मुख्य अतिथि अनवार अब्बास नक़्वी ने अपनी ग़ज़ल के माध्यम से प्रकृति की मधुर

अनुभूतियों को स्वर दिया–

शब्दों के जब फूल बुलाएँ आ जाना,
बूँदें जब अमृत बरसायें आ जाना।।

कवयित्री प्रीता बाजपेयी ने जल संरक्षण एवं माँ गंगा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा–

एक–एक बूंद की खातिर वो किधर जाएंगे,शिद्दतें प्यास से घबरायेंगे, उकतायेंगे।तुमने सोचा है कभी गंगा हमारी माँ है,माँ की सेवा ना करेंगे तो नरक जायेंगे।।

हिन्दुस्तान के पत्रकार एवं प्रख्यात साहित्यकार ईश्वर शरण शुक्ल जी ने पढ़ा कि

चिलचिलाती धूप तलवे को जलाती,
धूल उड़ कर इन्द्रियों को भी रूलाती।

प्रेमा रॉय जी ने कहा कि खूब सताया तूने मुझको, प्रतिफल जिसका भुगत रहा, पर्यावरण को संजोइए।

कार्यक्रम के संचालक एवं दोहाकार डॉ. प्रदीप कुमार चित्रांशी ने पर्यावरण विनाश पर मार्मिक दोहा प्रस्तुत किया–

रोकर बोला फालसा, सुन लो अम्मीजान।
मानव ने पहुँचा दिया, खिन्नी को श्मशान।।

कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों, पर्यावरण प्रेमियों एवं नागरिकों ने एक स्वर से पर्यावरण संरक्षण, जल–संरक्षण तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को स्मरण करने और उन्हें व्यवहार में उतारने का अवसर है। यदि आज पर्यावरण की रक्षा के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकटों का सामना करना पड़ सकता है।

अंत में सभी उपस्थित जनों ने 'एक पौधा–एक संकल्प' अभियान को सफल बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर जन–जागरण चलाने का संकल्प लिया।

पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में एक पेड़ माँ के नाम पर पौधारोपण

बंगाईगांव। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय रेल द्वारा दिनांक 15 मई से 05 जून तक पर्यावरण जागरुकता संबंधी कई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस आयोजन के तहत पूसी रेल के पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, न्यू बंगाईगांव में दिनांक 05 जून को एक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधारोपण किया गया।

संस्थान के प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक की अगुवाई में यहां के प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रशिक्षक में वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार और श्री स्वप्न

कुमार दास, रोलिंग स्टॉक इंस्ट्रक्टर श्री माधव कुमार मंडल, कनीय व्याख्याता जाहिद हुसैन, वरिष्ठ अनुदेशक श्री कुमार कुणाल, श्री दीपक राय, श्री प्रीतम सिंह, श्री बीजू बोरो, वरिष्ठ ट्रेड अनुदेशक श्री सुजीत झा, श्री संतोष प्रसाद, श्री संजय रॉय, श्री मंटू कालिता, श्री अजय लामा और कार्यालय कर्मियों में श्री अनिल कुंगुर ब्रह्मा, श्री भूषण सिंह बोरो, श्रीमती मनोरमा बारहोई इत्यादि शामिल थे। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक ने कहा कि धरती भी हमारी माँ है। उनका संरक्षण और संवर्धन करना हम सब का दायित्व है। अतः आज हम एक–एक पेड़ अपनी माँ के नाम पर लगाएं, जिससे धरती हरी भरी रहे और प्राणवायु देता रहे। साथ ही उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोकथाम और पेपरलेश कार्यप्रणाली पर भी काफी उत्साह दिखाया। इस कार्यक्रम में यहां प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षुओं ने भी काफी उत्साह दिखाया। इनमें गोविंद चौधरी, अनिल कुमार साह, सरोज कुमार साह, चिरंजीत बर्मन, समीर दें रॉय, उपेन्द्र पासवान, कमलेश देब बर्मन, माणिक बारोई, नबजीत बरुआ, सौरभ बर्मन, संजीत बोरो की भूमिका सराहनीय रही।

पर्यावरण संरक्षण हेतु साहित्यकारों ने जगाई जनचेतना

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी लेखिका संघ द्वारा एक भव्य ऑनलाइन काव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साहित्य एवं रचनाओं के माध्यम से जन–जन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम का सफल संयोजन उमा मिश्रा 'प्रीति' द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष कामना कौस्तुभ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम है और रचनाकार अपनी लेखनी से जनमानस में चेतना जागृत कर सकते हैं। इस अवसर पर हिन्दी लेखिका संघ की रचनाकारों ने पर्यावरण विषय पर गीत, कविता, दोहा, हाइकु, लघुकथा एवं आलेख प्रस्तुत कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उमा मिश्रा द्वारा गीत, डॉ. भावना शुक्ला, छाया त्रिवेदी, शशिकला सेन, सुषमा साहू, डॉ. माला प्यासी, डॉ. मीना गुप्ता, छाया सक्सेना प्रभु, चंद्र प्रकाश वैश्य, अलका मधुसूदन पटेल, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, डॉ. कामना श्रीवास्तव कौस्तुभ, अर्चना मलैया, राजकुमारी रैकवार, डॉ. राजलक्ष्मी शिवहरे, एड. प्रभा खरे, आरती शर्मा, गायत्री चौबे, रेखा चौधरी, छाया सिंह एवं ज्योति जैन ने प्रभावशाली कविताओं का पाठ किया। कृष्णा राजपूत ने दोहे, सिद्धेश्वरी सराफ 'शीलू' एवं अर्चना गोस्वामी ने गीत, डॉ. गीत गीत ने हाइकु, डॉ. शोभा सिंह ने लघु आलेख तथा डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. चंदा चतुर्वेदी एवं इस्मिता माथुर ने लघुकथाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का मार्मिक संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम सलाहकार अर्चना मलैया द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

जय श्री राम व बुलडोजर बाबा का जयघोष

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह बलरामपुर में मां पाटेश्वरी का पूजन कर सभास्थल चकरौत पहुंचे। कटरा व करनैलगंज विधानसभा के बॉर्डर पर आयोजित इस जनसभा में दोनों ही विधानसभाओं के लोग पहुंचे। सुबह दस बजे मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में सुबह सात बजे से ही लोग पहुंचने लगे। सुबह दस बजे से पहले ही पंडाल लोगों से खचाखच भरा नजर आया और हर ओर भगवा लहराता दिखा। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। मंच पर स्वागत उद्बोधन में कैसरगंज लोकसभा सांसद करन भूषण सिंह ने सीएम को बुलडोजर बाबा कहकर संबोधित किया। उनके इतना कहते ही पंडाल में जय श्री राम व बुलडोजर बाबा की जय के उद्घोष हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोंडा ऊर्जावान जनपद है। युवा ऊर्जावान, अन्नदाता किसान परिश्रमी और बहनें व बेटियां प्रतिभाशाली हैं। इस पर पंडाल में भाजपा के झंडे लहराते रहे। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते नजर आए। कटरा निवासी आशीष मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का भाषण सुनने के लिए सुबह सात बजे से ही आ गया था। जिससे आगे पहुंचकर उन्हें देख सकें और ठीक से सुन भी सकें। करनैलगंज से पहुंचे आलोक मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का यह कहना कि अच्छे जनप्रतिनिधि चुनें, एकदम सही है। सही जनप्रतिनिधियों को चुनने से ही सही ढंग से विकास होता है।

भोलेनाथ को साक्षी मानकर नायब तहसीलदार ने ली शपथ

15 साल पुरानी धाम भूमि विवाद की फाइल खुली, 1 सप्ताह में नोटिस, फिर पत्थर नसब

पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण–सीमांकन शुरू, 9 जून से भागवत कथा, 7 जून को 13वाँ सत्याग्रह यथावत

श्रीमद भागवत कथा 9 जून से 15 जून तक धाम में, 13 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आज 7 जून को

प्रतापगढ़। पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम की 15 वर्ष पुरानी भूमि विवाद की फाइल विश्व पर्यावरण दिवस पर खुल गई। नायब तहसीलदार दिनेश चंद्र तिवारी ने भगवान भोले भयहरणनाथ महादेव का पूजन–अर्चन कर धाम की भूमि संबंधी समस्त दस्तावेजों के निरीक्षण की जिम्मेदारी ली।15 साल दबी फाइल भोलेनाथ की शपथ से खुली। कलम चली है, पौधा लगा है, सीमा नपी है... अब पत्थर गड़ेगा और कब्जा मिटेगा।

यह जानकारी देते भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि नायब दिनेश चंद्र तिवारी जी ने 3 बड़े निर्णय लिए जिसमें 1359 फसली वर्ष एवं चकबन्दी आधार वर्ष की खतौनी का मिलान होगा। जिसमें ष्बंदिर/धाम/सार्वजनिक/समालातीष् व काशतकार का नाम अंकित है, भूमि उसी की मानी जाएगी। नक्शा त्रुटिपूर्ण होने पर राजस्व निरीक्षक अशोक दुबे व लेखपाल प्रशांत के संयोजन में अमीन द्वारा फील्ड में जाकर भौतिक सीमांकन व नक्शा दुरुस्ती होगी। 1 सप्ताह में दस्तावेज निरीक्षण पूर्ण कर काश्तकारों को नोटिस। नोटिस अवधि उपरांत धाम की भूमि का पत्थर नसब कर कब्जा मुक्त किया जाएगा।

नगरपंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने मेला कंट्रोल रूम से पौधरोपण व सीमांकन अभियान का शुभारंभ किया। नायब तहसीलदार ने महासचिव समाज शेखर सहित प्रबन्ध संस्था के पदाधिकारियों के साथ धाम परिसर में 11 पौध लगाकर हरियाली अभियान का फावड़ा पूजन किया। साथ ही बरसात में कब्जा मुक्ति के बाद हरिशंकरी पौध के रोपण का संकल्प लिया जिसे प्रबन्ध संस्था ने पूर्ण करने का वायदा किया।सत्याग्रहियों ने कार्य पूर्ण होने तक सत्याग्रह जारी रखने का निर्णय लिया। 7 जून को 13वाँ सामाजिक सत्याग्रह मेला नियंत्रण कक्ष से यथावत संचालित होगा। धाम के 118 सहयोगी गणों ने राजस्व विभाग के कार्य में सहयोग का संकल्प लिया।

उन्होंने बताया कि 9 जून से 15 जून तक धाम में भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज की श्री मद्भागवत कथा होगी। प्रतिदिन शाम 4रू30 से 8रू30 बजे। आयोजन अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल व संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र के संयोजन में होगा। आयोजकरू भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान, नगर पंचायत व समस्त क्षेत्रवासी।

इस अवसर पर संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, सीताराम बाबा, अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, मन्दिर व्यवस्था सचिव मुरली पांडेय, आदर्श पांडेय, अधिवक्ता चंद्रेश सरोज, सभासद प्रतिनिधि दीपक जायसवाल, कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम सहित नगर पंचायत व राजस्व कर्मी उपस्थित रहे। पुलिस टीम उप निरीक्षक एम एच खान के नेतृत्व में सहयोग हेतु तत्पर रही।

मुख्यमंत्री ने किए मां पाटेश्वरी के दर्शन, मंदिर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

लखनऊ (संवाददाता)। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन, पूजन–अर्चन किया। उन्होंने मां की आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। सीएम योगी बलरामपुर पहुंचे। विकास कार्यों के लोकार्पण– शिलान्यास के बाद मंदिर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह दर्शन–पूजन के बाद मंदिर में आये श्रद्धालुओं का अभिवादन किया मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया। दर्शन–पूजन के दौरान महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रविंद्र दास जी, विधायक पलटूराम, कैलाश नारायण शुक्ल आदि भी मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर, पार्सल (लीजिंग), पार्किंग, अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

पार्सल लीजिंग

S. N.	Compartment	Train No.	CC (In tones)	From-To	Frequency (In a week)	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1.	FSLR-1	20433	3.9	SFG-SVDK	07 days	PRCL-PRYJ-26-04	19.06.2026, 11:30 Hrs
2.	FSLR-1	12276	3.9	PRYJ-NDLS	04 days	PRCL-PRYJ-26-04	19.06.2026, 11:30 Hrs

पार्किंग

S. N.	Details of publicity	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1.	कानपुर अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का 05 वर्षों हेतु उपलब्ध है।	PARKING-CPA-MX	09.06.2026 at 11:00 hrs
2.	खुर्जा रेलवे स्टेशन, फफूंद रेलवे स्टेशन, रूरा रेलवे स्टेशन एवं दनकौर रेलवे स्टेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड 03 वर्षों की अवधि हेतु उपलब्ध है।	PARKING-PRYJ-MX	18.06.2026 at 11:00 hrs

इच्छुक बोलीदाता ई-नीलामी में भाग लेने, विस्तृत जानकारी प्राप्त करने तथा नियम एवं शर्तों का अवलोकन करने हेतु भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) की आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन कर सकते हैं। 1285/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

शंखपुष्पी फूल

(कुण्डलिया)

पंखुरियाँ हैं क्षीर–सी,आकृति शंख–समान।
कहें शंखपुष्पी उसे, सारे आस्थावान।
सारे आस्थावान, बताते हैं गुण इसका।
करता दूर थकान,दवा जब यह है बनता।
सुन लो कहें प्रदीप, कह रहे सभी पुरनियाँ।
औषधि से भरपूर, फूल की हैं पंखुरियाँ।।

आयुर्वेदिक ग्रन्थ है, चरक संहिता नाम।
शंख सरीखे पुष्प का,अद्भुत करे बखान।
अद्भुत करे बखान, शंखपुष्पी कह करके।
नील गुलाबी श्वेत,पुष्प जिसके हैं खिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, कष्ट यदि है शारीरिक।
खाओ इसको नित्य, दवा है आयुर्वेदिक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रेग्नेंट होने पर प्रेमी ने बीएससी छात्रा को मारकर फेंका, सीतापुर की युवती की लखनऊ में हत्या

लखनऊ (संवाददाता)। सीतापुर की एक बीएससी छात्रा के प्रेग्नेंट होने के बाद प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी उसे बहला–फुसलाकर लखनऊ ले गया और हत्या के बाद शव को जंगल में फेंक दिया। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। छात्रा के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी काफी परेशान रहने लगा। शादी की जिम्मेदारी से बचने के लिए युवती की हत्या कर दी। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने लखनऊ के महिपतपुर क्षेत्र के जंगल से कुछ हड्डियां, बाल, कपड़े और चप्पल बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि बरामद हड्डियां के अवशेष, कपड़े और चप्पल युवती के ही हैं। सीतापुर के संदना क्षेत्र की रहने वाली 19 वर्षीय मानसी, जो बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी, 25 मई को कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसके प्रेमी पर उसे भगाने का आरोप लगाया था। युवती की बरामदगी न होने पर परिजन ने धरना–प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। 6 जून को पुलिस ने जंगल से शव के अवशेष बरामद किए। हालांकि, उनकी पहचान की पुष्टि के लिए आगे की जांच और डीएनए परीक्षण किए जा रहे हैं। सीतापुर के संदना गांव के निवासी महेश की 19 वर्षीय बेटी मानसी बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। सरैया गांव के विशाल पाल और उसकी बहन शिवानी पाल भी उसी के साथ पढ़ते थे। महेश के अनुसार, विशाल ने अपनी बहन के माध्यम से मानसी को प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद 25 मई को विशाल मानसी को अपने साथ लेकर फरार हो गया। पिता ने बताया कि मानसी रोज की तरह कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इससे परिवार की चिंता बढ़ गई। बाद में पता चला कि विशाल और उसकी बहन उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/25 दिनांक : 05.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उमरेल, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30262250	[illegible]	136 नग	02.07.2026
2	38261473	ब्रेक सिलिंडर 355 एम एम फॉर एयर ब्रेक	684 नग	30.06.2026
3	38262683	[illegible]	252 नग	01.07.2026
4	38263281	[illegible]	96 नग	08.07.2026
5	38252906A	सेट ऑफ मेटेड स्वार्फ रिंग	1180 नग	29.06.2026
6	20263532	[illegible] फॉर ट्रैक्शन मोटर	28 नग	03.07.2026
7	80261441A	तीन-फेज लोकोमोटिवों हेतु ट्रांसफॉर्मर तेल	35762 लीटर	24-जून-26
8	80261198	आईएसआई मार्क युक्त पोर्टेबल अग्निशामक यंत्र	3299 नग	06-जुलाई-26

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1273/26 (ADM)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या: 04169/04170 सूबेदारगंज-इन्दौर विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो बार)

गाड़ी सं. 04169 सूबेदारगंज-इन्दौर		स्टेशन	गाड़ी सं. 04170 इन्दौर-सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
-------	05:00	सूबेदारगंज	20:00	-------
06:28	06:30	फतेहपुर	18:20	18:22
08:20	08:25	गोविन्दपुरी	17:25	17:30
10:43	10:45	इटावा	15:45	15:47
11:30	11:35	भिण्ड	15:20	15:25
12:05	12:07	सोनी	14:40	14:42
14:55	15:00	ग्वालियर	13:20	13:25
16:30	16:32	शिवपुरी	10:18	10:20
04:55	------	इन्दौर	-------	20:30

अन्य ठहराव : गुना, रुठियाई, मक्सी, उज्जैन, फतेहाबाद चन्द्रावतीगंज स्टेशनों पर भी रुकेगी।

सूबेदारगंज से : गाड़ी संख्या 04169, प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार, दिनांक - 15.06.2026 से 28.09.2026 तक, इन्दौर से : गाड़ी संख्या 04170, प्रत्येक शनिवार और मंगलवार,दिनांक - 16.06.2026 से 29.09.2026 तक।

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी: 08, स्लीपर श्रेणी: 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 01

गाड़ी संख्या: 04105/04106 प्रयागराज-उधना विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो बार)

गाड़ी सं. 04105 प्रयागराज-उधना		स्टेशन	गाड़ी सं. 04106 उधना-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
-------	19:00	प्रयागराज	05:10	-------
20:58	21:00	फतेहपुर	00:58	01:00
22:25	22:30	गोविन्दपुरी	23:40	23:45
01:00	01:02	इटावा	21:03	21:05
01:40	01:42	भिण्ड	19:00	19:05
04:30	04:35	ग्वालियर	17:15	17:20
20:50	-------	उधना	-------	23:25

अन्य ठहराव : गुना, रुठियाई, मक्सी, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, छायापुरी, भरूच स्टेशनों पर भी रुकेगी।

प्रयागराज से : गाड़ी संख्या 04105, प्रत्येक गुरुवार और रविवार, दिनांक - 11.06.2026 से 30.07.2026 तक, उधना से : गाड़ी संख्या 04106, प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार,दिनांक - 12.06.2026 से 31.07.2026 तक।

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी: 08, स्लीपर श्रेणी: 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 01

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1293/26(DG)

सम्पादकीय.....

लापरवाही के हादसे, बेपरवाह सरकार

बुधवार को दिल्ली के हौजरानी इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 11 विदेशी नागरिक थे। इस भयावह घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब तैर रहे हैं, जिसमें कहीं ऊपरी मंजिलों से लोग कूद कर जान बचा रहे हैं, तो कहीं छत पर खड़े होकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। आग और धुएं के गुबार के बीच फिर से भ्रष्टाचार की चर्चाएं शुरु हो चुकी हैं कि इस पूरे इलाके में नियमों को ताक पर रखकर ऐसी कई इमारतें बनी हुई हैं। जहां पांच–छह कमरे बने होने चाहिए थे, वहां 25 कमरे बना दिए गए और आग से बचाव का कोई इंतजाम नहीं है। इस खबर को बीते कुछ घंटे नहीं हुए थे कि बिहार के मुजफ्फरपुर से ऐसी ही खबर आई। वहां एक अस्पताल के आईसीयू में आग लग गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों के मरने की खबर है और 20 घायल हैं। हालांकि मौत के सही आंकड़े पता चलेंगे या नहीं, कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अभी से खबर पर लीपापोती की शुरुआत हो चुकी है। सम्राट चौधरी सरकार में पहली बार राजनीति में आकर सीधे स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालने वाले निशांत कुमार से इस बारे में जब पत्रकारों ने सवाल किए तो वे बिना कुछ बोले निकल गए। उन पर अब सवाल उठ रहे हैं तो उन के पक्ष में जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि सुबह 3.00 बजे की यह घटना है और सुबह की फ्लाइट से मंत्री जा रहे थे। ऐसा नहीं है कि घटना की जानकारी मंत्री को नहीं थी। तभी तो स्वास्थ्य विभाग एक्शन में है। मेरा मानना है कि एक्शन पर लोगों को फोकस करना चाहिए ना कि बयान पर। ऐसे बयान जाहिर करते हैं कि आम लोगों की जान की कीमत सरकार की नजर में कितनी सस्ती है। इतने मासूम अकाल मौत मारे गए और बजाए जिम्मेदारी लेने के स्वास्थ्य मंत्री को बचाने की कोशिशें हो रही हैं। पाठक ध्यान दें कि बुधवार को भाजपा के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें पटना की साफ–सुथरी चिकनी सड़क और चमचमाता पुल दिखाया गया। इसे बिहार का विकास कहा जा रहा है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने भी इसे रिपोस्ट किया। लेकिन कांग्रेस ने बताया कि ये एआई जनरेटेड वीडियो है। सच्चाई खुलने के बाद भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म से तो इसे शायद हटा लिया गया है, लेकिन भाजपा बिहार के प्लेटफार्म पर यह आभासी वीडियो अब भी चल रहा है। भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देश का विकास दिखाने वाले कई संदेश एआई जनरेटेड वीडियो के साथ ही दिए जाते हैं। इसका यही मतलब है कि असली विकास दिखाने को नहीं है तो कम्प्यूटर की मदद से बनाई गई तस्वीरों में विकास दिखाया जाए। मान लें कि जनता के सामने अपनी छवि चमकाने के लिए ऐसा करना जरूरी है, तो क्या यह बात भी उतनी ही जरूरी नहीं है कि जनता को सच की तस्वीर भी दिखाई जाए या जनता का वास्ता जिन कड़वे सत्यों से रोज होता है, कम से कम उन पर भाजपा दो शब्द तो संवेदना के कह दे। चमकते–दमकते पुल की नकली तस्वीर दिखाने वाली भाजपा क्या अवैध निर्माण या बिना सुरक्षा मानकों के खड़ी की गई इमारतों की तस्वीर भी कभी दिखाएगी। क्यों भाजपा के बुलडोजर गरीबों और मुसलमानों के ठिकानों तक आसानी से पहुंच जाते हैं, लेकिन अवैध निर्माण कर करोड़ों की उगाही करने वाले लोगों तक नहीं पहुंचते। अभी पिछले साल दिसंबर में गोवा के नाइटक्लब में ऐसी ही भीषण आग लगी थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। इसके संचालक पहले तो आसानी से देश से भाग गए, लेकिन फिर सरकार पर दबाव पड़ा तो इन्हें थाईलैंड से गिरफ्तार कर लाया गया। मगर अब क्या कार्रवाई हो रही है, उन्हें कितनी सजा मिलेगी, इसकी कोई खबर नहीं है। दरअसल भाजपा बहुत अच्छे से ये बात जानती है कि समाज को हिंदू–मुसलमान के अनावश्यक मुद्दे में उलझाकर रखना आसान है। लोग इसी बात पर खुश हो जाएंगे कि अहमदनगर का नाम श्अहिल्यानगरश्च, फैजाबाद का नाम अयोध्या या बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम श्वागदेवी भोजपाल विश्वविद्यालयश्च कर दिया गया है। नाम बदलने से शहर, स्टेशन, शिक्षण संस्थान किसी के भी हालात नहीं बदलेंगे, ये लोग भी अच्छे से जानते हैं। मगर एक सुकून उन्हें मिलता है कि मुसलमानों के नाम की जगह हिंदू नामों को भाजपा प्राथमिकता दे रही है। भाजपा ने उन्हें यही भरोसा भी दिलाया है कि कुछ बचे न बचे हिंदू धर्म तो वो बचा ही लेगी। बस इसी तरह धर्म की रक्षा सरकार कर रही है, बाकी अपनी रक्षा लोग अपने आप कर लें। वैसे दिल्ली हादसे में तो यही दिखा है कि फायर बिग्रेड और बचाव दल के आने से पहले मुसलमानों ने ही कई जानें बचाई हैं। जब लोग पांच मंजिला इमारत में लगी आग से बचने के लिए ऊपर से कूदने लगे तो मोहम्मद अफजल, वसीम राजा, रियाजुद्दीन मंसूरी और अरमान मंसूरी जैसे लोगों ने ही प्रत्युत्पन्नमति दिखाते हुए पास की दुकान से गद्दे और चादरें लाकर नीचे बिछाईं, ताकि उन्हें गिरने से चोटें न आएं। जिस दुकान से गद्दे निकाले गए, उसके मालिक अरमान ने अपने नुकसान की रत्ती भर भी परवाह नहीं की और लाखों के गद्दे लोगों की जान बचाने के लिए निकाल दिए।

पद्म विभूषण, धर्मेंद्र और कानून-सम्मान के मंच पर परंपरा बनाम वैधता का प्रश्न

अरुण कुमार डनायक

25 मई 2026 को पद्म पुरस्कार के समारोह में जब ध र्मेंद्र के लिए मरणोपरांत पद्म विभूषण की घोषणा हुई, तो स्वाभाविक रूप से वह क्षण भावनाओं से भरा था। मंच पर सम्मान ग्रहण करने पहुंचीं हेमा मालिनी को श्धर्मेंद्र की पत्नीश कहकर संबोधित किया गया। यह क्षण स्वाभाविक रूप से हृदयस्पर्शी था, लेकिन साथ ही उसने एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा कियाकृ क्या सार्वजनिक और संवैधानिक मंचों पर सामाजिक स्वीकृति, कानूनी वैधता से ऊपर रखी जा सकती है? या फिर हम अनजाने में उन परंपराओं की ओर लौट रहे हैं जिन्हें आधुनिक भारत ने दशकों पहले पीछे छोड़ दिया था। यह प्रश्न केवल औपचारिक संबोधन का नहीं, बल्कि कानून और सामाजिक व्यवहार के बीच के उस अंतर का है, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। ध र्मेंद्र का जीवन और योगदान निर्विवाद रूप से असाधारण रहा है। हिंदी सिनेमा में उनका छह दशकों का सफर एक युग की तरह देखा जाता है। शोले, मेरा गांव मेरा देश, चरस जैसी फिल्मों ने उन्हें भारतीय सिनेमा का अमर चेहरा बनाया। 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में उनके निध ान के साथ यह युग समाप्त हुआ। सरकार ने उनके निधन के बाद उन्हें मरणोपरांत यह उच्च सम्मान देना फिल्म जगत के सम्मान के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन सम्मान देने की प्रक्रिया में एक कानूनी–नैतिक प्रश्न अनिवार्य रूप से उभरता है। हिंदू विवाह अधिनियम (1955) ने हिंदू समाज में बहुपत्नी प्रथा को समाप्त कर एक विवाह को मान्य किया। पहली पत्नी के जीवित रहते बिना तलाक दूसरी शादी करना द्विविवाह का अपराध ा है, जिसके लिए सजा का प्रावध ान है। हालांकि ऐसी अमान्य शादी से जन्मे बच्चों को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार पिता की संपत्ति में पूरा उत्तराधिकार प्राप्त है। धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के बीच तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में 1980 में हेमा मालिनी के साथ हुआ उनका विवाह, कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, विधिक दृष्टि से वैध नहीं माना जा सकता। कानूनी दृष्टि से यह विवाह विवादित माना जाता रहा है। कानून स्पष्ट हैकृपहली शादी के रहते दूसरी शादी करना अपराध ा है। मीडिया में यह भी चर्चा रही कि धर्मेंद्र और हेमा ने कथित रूप से इस्लाम अपनाकर निकाह किया था, ताकि हिंदू कानून की बाधा से बचा जा सके। हालांकि धर्मेंद्र ने सार्वजनिक रूप से इसे हमेशा नकारा। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याक्षी के रूप में दाखिल हलफनामे में उन्होंने पत्नी के रूप में केवल प्रकाश कौर का नाम लिखा और हेमा मालिनी का कोई उल्लेख नहीं किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने दूसरी शादी छिपाई। यह विवाद अदालत तक पहुंचा और लंबे समय तक चर्चा में रहा। यहीं से यह प्रश्न और जटिल हो जाता हैकृक्या किसी अमान्य विवाह को सार्वजनिक मंच पर वैध सामाजिक पहचान दी जा सकती है? और यदि दी जाती है, तो क्या यह कानून की भावना के विपरीत नहीं है? एक ओर संसद द्वारा पारित हिंदू विवाह अधिनियम है, जिसने बहुपत्नी प्रथा को समाप्त कियाय दूसरी ओर राष्ट्रपति भवन का मंच है, जहां उसी कानून के विपरीत संबोधन किया जाता है। ऐसे मामलों में यह प्रश्न उठता है कि क्या परिवार के सभी पक्षों को प्रक्रिया में शामिल किया गया था? यद्यपि यह निजी क्षेत्र का विषय है, लेकिन जब मामला राष्ट्रपति भवन के औपचारिक मंच तक पहुंचता है, तो यह केवल निजी नहीं रह जाता। इतिहास बताता है कि ऐसे मामलों में राज्य ने कई बार विधिक वैध ता को प्राथमिकता दी है। राष्ट्रपति द्वारा सरकार की सलाह पर पूर्व इन्दौर रियासत के उत्तराधिकार विवाद में अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होल्कर (शिवाजीराव होल्कर) को उत्तराधि ाकारी मानने से इनकार कर दिया गया था। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने के प्रस्ताव पर तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन द्वारा आपत्ति जताई गई थीकृयह दिखाता है कि संवैध ानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों ने समय–समय पर संस्थागत मर्यादाओं की रक्षा की है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न और तीखा हो जाता है कि जब देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक महिला राष्ट्रपति आसीन हैं, तब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की इस प्रकार की अनदेखी क्या एक विरोधाभास नहीं है? यह मुद्दा उस व्यापक सामाजिक मनोविज्ञान को उजागर करता है, जहां हम कानून को स्वीकार तो करते हैं, लेकिन व्यवहार में परंपरागत मान्यताओं से संचालित होते रहते हैं। यहां हेमा मालिनी, और सनी देओल के राजनीतिक जीवन का संदर्भ भी दिलचस्प है। जहां पिता, पुत्र का राजनीतिक सफर अपेक्षाकृत सीमित रहा, वहीं हेमा मालिनी का सार्वजनिक जीवन अधिक लंबा और स्थिर रहा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि सामाजिक स्वीकृति और राजनीतिक पहचान, कानूनी जटिलताओं के बावजूद, अपने रास्ते बना लेती है। लेकिन यही वह बिंदु है जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक सजग होने की आवश्यकता है। क्योंकि यदि राज्य के औपचारिक मंचों पर भी कानून और सामाजिक सुविधा के बीच अंतर धुंधला होने लगे, तो यह एक खतरनाक मिसाल बन सकता है। यह विरोधाभास उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है जो बहुपत्नी परंपरा और आधुनिक भारत के संवैध ानिक मूल्यों के बीच चला। हिन्दू स्मृतियों में पुरुषों को अनेक पत्नियां रखने की अनुमति थी। लेकिन स्वतंत्र भारत में डॉ. भीमराव आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू ने हिंदू स्त्रियों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए हिंदू कोड बिल लाये । इसका जबरदस्त विरोध हुआकृ रूढ़िवादी कांग्रेस नेता, दक्षिणपंथी संगठन, भारतीय जनसंघ और हिन्दुमहासभा, साधु संतकृसभी इसके खिलाफ खड़े हो गए। यहां तक कि राष्ट्रपति डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने इस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। बिल पास होता न देख डाक्टर आम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया था। अंततरू 1955–56 में इसे कई हिस्सों में बांटकर पारित किया गया। यह प्रसंग उन परंपरागत मानसिकताओं की झलक अवश्य देता है, जिन्हें आधुनिक कानून पीछे छोड़ने का प्रयास करता है। यह घटना उस मानसिकता की झलक देती है, जहां पुरुष–केंद्रित सामाजिक मान्यताएं अब भी विधिक सिद्धांतों पर हावी होती दिखती हैं। अंततः, यह घटना हमें एक असुविधाजनक लेकिन आवश्यक प्रश्न के सामने खड़ा करती है। क्या हम कानून को केवल एक औपचारिक व्यवस्था मानते हैं, या उसे अपने सार्वजनिक आचरण का वास्तविक आधार भी बनाते हैं? यह प्रसंग हमें यह याद दिलाता है कि भारत में कानून और सामाजिक स्वीकृति के बीच की दूरी अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है,।

शॉर्टकर्ट का भ्रम और कर्म का पुरुषार्थः विरासत भाग्य से नहीं, श्रम से बनती है

जो तपते हैं रातों में, इतिहास उन्हीं का बनता है,

विरासत में यूं ही किसी को, सिंह–आसन नहीं मिलता है!

हाल ही में सामाजिक और साहित्यिक जीवन के कुछ ऐसे अनुभवों से गुजरना हुआ, जिसने अंतर्मन को गहरे तक झकझोर दिया और सोचने पर विवश कर दिया कि आज हमारी सामाजिक चेतना किस दिशा में जा रही है। जब भी किसी रचनात्मक कार्य, वैचारिक आंदोलन या किसी प्रतिष्ठित संस्था से जुड़कर धरातल पर काम करने का आह्वान किया जाता है, जहाँ निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करनी हो और जिसमें धन का कोई लेनदेन न हो, तो अमूमन लोग पहले ही कदम पर हाथ खड़े कर देते हैं। उनके पास समय का अभाव होता है, दायित्वों की दुहाई होती है और श्रम से बचने के सौ बहाने होते हैं।

किंतु, कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। जैसे ही उन्हें संस्था के संगठनात्मक ढांचे या श्पदाधिकारियोंश के पदों का भान होता है, तो उनकी आंखों में अचानक एक अतृप्त चमक उभर आती है। जो व्यक्ति कुछ मिनट पहले धरातल पर एक साधारण सदस्य बनकर गिलहरी प्रयास करने में भी संकोच कर रहा था, वह बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे श्राष्ट्रीय स्तरश या श्प्रादेशिक स्तरश के शीर्ष पद की मांग कर बैठता है। उन्हें यह बोलते हुए रत्ती भर भी संकोच या लज्जा का अनुभव नहीं होता कि जिस संगठन की वर्णमाला से भी वे अपरिचित हैं, उसके शीर्ष सिंहासन पर बैठने की पात्रता उन्होंने कब और कैसे अर्जित कर ली?

शिखर की चाह, पर नींव से परहेज़

यह आज के युग का सबसे बड़ा मानसिक रोग हैकृष्साधना से विमुख होकर सिद्धि की चाह रखना।ष लोग भूल जाते हैं कि समाज या साहित्य में जो लोग आज किसी ऊंचे मुकाम पर बैठे हैं, जिन्हें आदर सहित मंचों पर स्थान मिलता है, उनकी पीठ के पीछे एक लंबा, मौन और अनवरत संघर्ष होता है।

ध्आज यदि कोई साधक समाज के सामने अपनी पहचान रखता है, तो उसके पीछे दस–दस पुस्तकों का लेखन, अनगिनत रातों का रतजगा, शास्त्रों का गहन अध्ययन और निरंतर जारी रहने वाली तपस्या होती है। यह पद कोई खैरात या लॉटरी नहीं है, जिसे किसी रसूख या याचना के बल पर झोली में डाल लिया जाए। यह तो वह मुकुट है जो केवल तपे हुए माथे पर ही सुशोभित होता है।

विस्मय होता है देखकर कि लोग पहले चरण की सीढ़ी पर पैर भी नहीं रखना चाहते, पर उनकी नजर सीधे कंगूरे पर टिकी होती है। वे भूल जाते हैं कि यदि किसी तिकड़म या श्एप्रोचश से उन्हें वह जगह मिल भी जाए, तो क्या वे उस जगह पर टिक पाएंगे? प्रश्न पद पा लेने का नहीं है, प्रश्न उस पद की गरिमा को संभालने की पात्रता का है।

अप्रोच का भ्रम और सबूतों की कसौटी

शॉर्टकट के आकांक्षी लोग अक्सर ऊंचे रसूख वाले लोगों के आगे–पीछे घूमते हैं और सोचते हैं कि किसी की पैरवी या श्अप्रोचश उन्हें सीधे शिखर पर स्थापित कर देगी। लेकिन वे इस कड़वी और व्यावहारिक सच्चाई को भूल जाते हैं कि आप जिसके भी आगे–पीछे घूम रहे हैं, वह प्रभावशाली व्यक्ति भी एक सीमा से आगे आपकी मदद नहीं कर सकता। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और साख को दांव पर लगाकर कोई भी व्यक्ति किसी अयोग्य को रातों–रात उठाकर शीर्ष पर नहीं बैठा देता।

वह र श्गॉडफादरश भी आपकी पैरवी करने से पहले आपसे आपकी योग्यता का कोई प्रमाण, कोई सबूत या कोई ठोस काम देखना चाहता है। जब आपके पास दिखाने के लिए न कोई अनुभव हो, न कोई पूर्व साधना हो और न ही योग्यता का कोई साक्ष्य हो, तो किसी के आगे–पीछे परिक्रमा करना भी व्यर्थ साबित होता है। बैसाखियां केवल खड़े होने का भ्रम दे सकती हैं, दौड़ने का सामर्थ्य नहीं।

बिना योग्यता के पदरू एक आत्मघाती खोखलापन

यदि एक कच्ची मिट्टी के घड़े को बिना आग में तपाए सीधे राजभवन के ऊंचे मंच पर सजा दिया जाए, तो वह पानी की पहली बूंद पड़ते ही बिखर जाएगा। ठीक वैसे ही, जो लोग बिना वैचारिक परिपक्वता, बिना संगठनात्मक अनुभव और बिना जमीनी संघर्ष के सीधे राष्ट्रीय या प्रादेशिक पदों पर बैठना चाहते हैं, वे अंततः उपहास का पात्र ही बनते हैं। पद व्यक्ति को बड़ा नहीं बनाता, बल्कि व्यक्ति अपनी साधना से उस पद को गौरवान्वित करता है।

इतिहास गवाह है कि जिसने भी काल की छाती पर अपने पदचिह्न छोड़े हैं, उसने कभी शॉर्टकट का सहारा नहीं लिया। उन्होंने प्रथम सोपान से शुरुआत की, जमीन की धूल फांकी, संगठन की रीढ़ बनकर काम किया और धीरे–धीरे अपने काम की सुवास से पूरे राष्ट्र को महकाया।

करके तो देखिएः फिर वक्त खुद चलकर आएगा

अतः, शीर्ष पदों की चाह रखने वाले हमारे इन महत्त्वाकांक्षी मित्रों से अत्यंत आदर और स्नेह के साथ एक सीधा प्रश्न हैकृआप स्वयं अपनी पात्रता की कसौटी पर कब खरे उतरेंगे? आप स्वयं मेहनत करके, धरातल पर पसीना बहाकर, अध्ययन और साधना के मार्ग पर चलकर क्यों नहीं देखते?

एक बार निष्काम भाव से, बिना किसी लालसा के कर्म के कुरुक्षेत्र में उतरकर तो देखिए। जब आपकी साधना घनी होगी, जब आपकी प्रामाणिकता समाज को दिखने लगेगी, तब आपको किसी पद या अवसर को मांगने के लिए किसी के द्वार पर दस्तक देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

यदि आपका कर्म सच्चा है और उसमें गहराई है, तो वक्त स्वयं करवट बदलेगा और सारे अवसर, पद और सम्मान खुद आपका संधान करते हुए, हाथ जोड़े मर्यादापूर्वक आपके पास चलकर आएंगे। कामयाबी तब आपकी दासी बनकर आपके पीछे चलेगी।

निष्कर्ष– आइए, पदों की इस सतही और लज्जाजनक होड़ से बाहर निकलें। मांग कर पहने गए वस्त्रों से कभी किसी का कद बड़ा नहीं होता। गौरव केवल अपनी कमाई हुई योग्यता से ही मिलता है। जो पौधे बंद कमरों के गमलों में रातों–रात उगाए जाते हैं, वे धूप का पहला थपेड़ा भी सहन नहीं कर पाते; लेकिन जो जड़ें जमीन की गहराइयों से अपना पोषण लेती हैं, वे ही महावृक्ष बनकर इतिहास के झंझावातों को झेलने का साहस रखती हैं।

विशेष– यह आलेख किसी काल्पनिक पृष्ठभूमि पर आधारित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में लगातार सामने आने वाले कुछ बेहद कटु, व्यावहारिक और यथार्थवादी अनुभवों से त्रस्त होकर लिखा गया है। यह समाज के इसी खोखलेपन को आईना दिखाने और श्रम की वास्तविक महत्ता को पुनर्स्थापित करने का एक विवश, किंतु ईमानदार प्रयास है।

लेखिका डॉ संगीता मनीष बनाफर प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़, अध्यक्ष इनर व्हील क्लब बिलासपुर, संयोजक प्रेस क्लब ऑफ़ वर्किंग जर्नलिस्ट, जिला अध्यक्ष शहर समता प्रयागराज मंच बिलासपुर

दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि–जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ताओं तक पहुंचने की प्रक्रिया में अब तक बहुत अधिक कीमत कम हो जाती है, जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक छूटा हुआ अवसर है। भारत इस विरोधाभास का एक स्पष्ट उदाहरण पेश करता है। खाद्य और कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) के अनुसार, भारत दुनिया का दूध और दालों का सबसे बड़ा उत्पादक है और फलों तथा सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में कमियों के कारण खाद्य पदार्थों का काफी मात्रा में नुकसान होता रहता है। यह सतत् विकास लक्ष्यों सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की ओर प्रगति में बाधा डालता है। यह न केवल एक अक्षमता है, बल्कि एक छूटे हुए अवसर को भी दर्शाता है। बर्बाद हुआ हर एक टन खाद्य किसानों के लिए खोई हुई आय, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए इन नुकसानों को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवध ान कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से और स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक वैल्यू शृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है। मात्रा से मूल्य की ओर रू वर्तमान में भारत में, कृषि उपज का केवल 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत (प्रोसैस) किया जाता है। क्षेत्र की पूरी आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए, 2030 तक इस हिस्से को लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। इसके साथ ही, कटाई के बाद के खाद्य नुकसान को कम करना और प्रसंस्करण से संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूत करना महत्वपूर्ण होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अर्थव्यवस्था के भीतर अधिकतम आध्थक मूल्य बरकरार रखा जाए। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की शैल्फ लाइफ, खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देता है और नए व घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुंच के अवसर खोलता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उत्पादक देशों के भीतर आथिक मूल्य के बड़े हिस्से को बरकरार रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को सीधा लाभ मिलता है। दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि–जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करती है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविध पौष्टिक और विशेष खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। इसके अलावा, डिजिटल समाधान ट्रेसेबिलिटी को मजबूत, गुणवत्ता मानकों में सुधार करने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन साथ ही निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रध ानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण योजना और उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पी.एल.आई.) योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए हैं। खाद्य प्रसंस्करण केवल आध्थक दक्षता के बारे में नहीं, यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, जबकि अकेला कृषि क्षेत्र अब इस बढ़ते कार्यबल को खपाने में सक्षम नहीं है। इस संदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान पेश करता है। उत्पादन केंद्रों के करीब उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार के अवसर पैदा करता है। जिस तरह नए व्यापार समझौते बाजार के अवसर पैदा कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए। वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की मांग कर रहे हैं, जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और टिकाऊ रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है–ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को निरंतर मजबूत कर रहा है। यह केवल किसी एक देश के बारे में नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के साथ मिलकर आगे बढने का अवसर है। दक्षिण एशियाई देश सांझा चुनौतियों–खंडित आपूर्ति शृंखलाओं, सीमित प्रसंस्करण क्षमता और कटाई के बाद होने वाले उच्च स्तर के खाद्य नुकसान का सामना कर रहे हैं, हालांकि, ये सांझी बाधाएं सांझा समाधानों के लिए अवसर भी पैदा करती हैं। उत्पादन और नीतिगत नवाचार दोनों में अग्रणी होने के नाते भारत को इस क्षेत्रीय बदलाव को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

पलक तिवारी

मम्मी के लिए इतना कमाना है कि खर्च करते समय बिल्कुल न सोचें, पैसे उन्हें हाथ का मैल लगें

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही सीरीज श्लुक्खेश में नजर आएंगी। उन्होंने श्नवभारत टाइम्सश को दिए इंटरव्यू में इस सीरीज के अलावा मॉम श्वेता तिवारी और करियर के बारे में बात की। पलक ने एक दिल छू लेने वाली बात कही कि वह इतने पैसे कमाना चाहती हैं ताकि मॉम को खर्च करने से पहले सोचना न पड़े। श्इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि उन्हें...श, पलक तिवारी ने मां को लेकर कही दिल छू लेने वाली बात पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जी-मी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। शबिजली बिजलीश गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ शकिसी का भाई किसी की जानश में नजर आने के बाद श्भूतनीश में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज श्लुक्खेश की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं। उनसे एक खास बातचीत। श्अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूंश ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी-मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां-बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, श्मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।श मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। मगर मम्मी जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े। श्मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदतीश श्आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे।श अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहती हैं, श्मैं जैसे जैसे बड़ी होती जा रही हूं, अपनी मम्मी में मिलने लगी हूं। मेरे आस –पास के लोग भी यही कहते हैं, तो मैं चाहती हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा अपनी मां जैसी बनूं। मैं अपनी मम्मी की तरह बन रही हूं और मेरी मम्मी अपनी नानी की तरह।श मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे। श्भाई तो मुझे पूरे घर में नचाता हैश हालिया वेब सीरीज में पलक बहन की एक बेहद इमोशनल भूमिका में हैं। असल जिंदगी में कैसी बहन हैं वो? इस पर वह कहती हैं, श्मेरा भाई नौ साल का है। हर किसी को लगता है कि घर पर मैं बॉसिंग करती होऊंगी, मगर मेरी मजाल क्या है, जो मैं बॉसिंग करूं। घर श्वेता तिवारी का है और उनका फेवरेट बच्चा उनका छोटा वाला है (हंसती हैं) मैं जब मम्मी से कहती हूं कि इसने मुझे मारा, तो वह झट से कहती हैं, तुमने कोई हरकत ही ऐसी की होगी। मेरा छोटा भाई रेयांश मम्मी के पीछे जाकर यही करता है। हाल-फिलहाल मेरी जिंदगी यही है कि नौ साल का एक छोटा-सा बच्चा मुझे लात मार कर पूरे घर में नचवाता रहता है। मगर इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा भी नहीं है। (ठहाका लगाती हैं) हालांकि वो मेरे जिगर का टुकड़ा है। मस्ती-मजाक की बात साइड में रख दें, तो उसने मम्मी और नानी के स्ट्रगल को देखा है और वो चीजें समझता है। मैं भी उसके लिए काफी इम्पोर्टेंट हूं। मैं सोचती हूं, इतना अच्छा काम करूं कि उसे मुझ पर गर्व हो। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है। श्लक के साथ मेहनत जरूरीश पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ शकिसी का भाई किसी की जानश से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, श्हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब-सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।श टीवी एक्ट्रेस श्वेता की बेटी और खुद भी एक्ट्रेस पलक तिवारी इन दिनों अपनी वेबसीरीज लुक्खे को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। बातचीत के दौरान पलक ने अपनी मां से मिली एक ऐसी सीख का जिक्र किया, जिसे हर पैरेंट के लिए समझना और उन्हें अपने बच्चों को सिखाना बेहद जरूरी है।

सिंगर और कंपोजर अदनान सामी ने अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया है। अदनान ने कहा कि अरिजीत के इस कदम का सम्मान किया जाना चाहिए और इस पर किसी भी तरह की अटकलें नहीं लगाई जानी चाहिए। अरिजीत ने इसी साल सोशल मीडिया पर अचानक संन्यास की घोषणा कर फिल्म इंडस्ट्री और फैंस को चौंका दिया था। अदनान बोले– अरिजीत का फैसला जल्दबाजी में नहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई (च्ज्ए) को दिए एक इंटरव्यू में 54 वर्षीय अदनान सामी ने कहा, ष्अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का फैसला पूरे होशोहवास में किया है। हमें उनके इस फैसले का सम्मान करना चाहिए। यह कोई जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नहीं है, बल्कि इसके पीछे उनकी गहरी सोच होगी।ष अदनान ने यह बात जी म्यूजिक कंपनी के तहत रिलीज हुए अपने नए सिंगल श्लिपस्टिक लगा के, नजर उतार लेश के लॉन्च के दौरान कही। वजह बताने के लिए अरिजीत बाध्य नहीं अदनान ने आगे कहा कि अरिजीत के लिए जनता को अपनी वजह बताना बिल्कुल जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, इसके पीछे जरूर कोई बड़ी वजह होगी, जिसे वे खुद बेहतर जानते हैं। दुनिया को इसे तुरंत बताने की कोई जरूरत नहीं है। समय आने पर सबको पता चल ही जाएगा।

हर रोज एयरपोर्ट पर कई सेलेब्स को स्पॉट किया जाता है. अब हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस और मौनी रॉय को स्पॉट किया गया. इस दौरान दोनों ने स्टाइलिश लुक से महफिल लूट ली. आइए देखते हैं उनकी ये तस्वीरें. जैकलीन फर्नांडिस को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. इस दौरान एक्ट्रेस का काफी स्टाइलिश लुक देखने को मिला. लुक की बात करें तो, जैकलीन ने क्रॉप टॉप और लूज पैंट पहना था. उनका ये लुक काफी यूनिक लग रहा था.जैकलीन ने अपने इस लुक को सटल मेकअप के साथ कंप्लीट किया. गॉग्लस लगाए उन्होंने पैप्स को जमकर पोज दिए हैं. एक्ट्रेस मौनी रॉय को भी इस दौरान एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. वो काफी कैजुअल लुक में दिखीं. मौनी ने ऑल ब्लैक को-ऑर्ड सेट पहना था. खुले बालों में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत दिख रही थी. मौनी एयरपोर्ट पर काफी जल्दी में दिखीं. एयरपोर्ट पर मौजूद पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैप्चर किया. अब उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं.

टॉय स्टोरी से इनसाइड आउट तक, पिक्सर की 5 शानदार फिल्में जिन्होंने दर्शकों को हंसाया

रुलाया और सोचने पर मजबूर किया

तीन दशकों से भी अधिक समय से पिक्सर ऐसी कहानियां सुना रहा है, जिन्हें सुनाने का तरीका किसी ने पहले कभी सोचा भी नहीं था। बात करने वाली कारों से लेकर जीवंत खिलौनों तक, पिक्सर ने जिंदगी की साधारण कहानियों को सबसे अनोखे अंदाज में पर्दे पर उतारा है। शानदार एनीमेशन और वुडी (टॉय स्टोरी 5) तथा ऑफिसर जूडी हॉप्स (जूटोपिया) जैसे प्यारे और दिल से जुड़े किरदारों के लिए मशहूर पिक्सर ने सिर्फ फिल्में ही नहीं बनाईं, बल्कि लाखों लोगों को प्रेरित भी किया है। अपनी कहानियों के माध्यम से पिक्सर ने दोस्ती, भावनाओं, पारिवारिक रिश्तों, बड़े होने की प्रक्रिया और दुनिया में अपनी जगह खोजने जैसे विषयों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया है। इन फिल्मों ने हमें जिंदगी की खूबसूरती को एक नए नजरिए से देखने का मौका दिया। बच्चों से लेकर बड़ों तक, पिक्सर की हर फिल्म एक ऐसे गर्मजोशी भरे एहसास की तरह लगती है, जो जीवन के सबसे अनमोल पलों को समेटे हुए हो। 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही बहुप्रतीक्षित टॉय स्टोरी 5 के साथ हमारे पसंदीदा किरदार एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। आइए नजर डालते हैं पिक्सर की उन फिल्मों पर जिन्होंने कहानी कहने के अंदाज को हमेशा के लिए बदल दिया। जब 1995 में पहली बार टॉय स्टोरी रिलीज हुई थी, तब उसने दुनिया की पहली पूर्णतः कंप्यूटर-एनीमेटेड फीचर फिल्म बनकर एनीमेशन की दुनिया में क्रांति ला दी थी। लेकिन तकनीक से कहीं बढ़कर, दर्शकों के दिलों में वुडी और बज लाइटइयर जैसे खिलौनों की भावनात्मक कहानी और उनकी प्रतिद्वंद्विता से दोस्ती तक की यात्रा बस गई। अब यही प्रिय किरदार टॉय स्टोरी 5 के साथ फिर लौट रहे हैं। यह फिल्म उस सवाल को तलाशती है कि तेजी से तकनीक-प्रधान होती दुनिया में हमारे सबसे प्रिय खिलौनों की क्या जगह रह जाती है। पुरानी यादों और पिक्सर की खास भावनात्मक गर्माहट से भरपूर यह फिल्म उस विरासत को आगे बढ़ाती है, जो हर पीढ़ी और बदलते समय के साथ जुड़ने वाली कहानियाँ सुनाती है। इनसाइड आउट ने इंसानी जीवन की सबसे जटिल और गहरी चीज भावनाओं को एक खूबसूरत रोमांचक यात्रा में बदल दिया, जहाँ खुशी, उदासी, गुस्सा, डर और घृणा कहानी के नायक बन गए। इन किरदारों के जरिए फिल्म ने दर्शकों को हर भावना के महत्व को समझाया। ऐसे समय में जब मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना आसान नहीं था, इस फिल्म ने यह धारणा बदली कि सिर्फ खुश रहना ही मायने रखता है। इसने दिखाया कि संवेदनशीलता भी एक ताकत हो सकती है। आज भी यह पिक्सर की सबसे विचारोत्तेजक और भावनात्मक रूप से प्रभावशाली फिल्मों में गिनी जाती है। एक ऐसी दुनिया में आधारित, जहाँ शिकारी और शिकार एक साथ रहते हैं और हर कोई अपनी पहचान खुद बना सकता है, जूटोपिया ने हमें अपने सपनों पर विश्वास करना सिखाया। रोमांचक रहस्य और ऑफिसर जूडी हॉप्स तथा निक वाइल्ड की यादगार जोड़ी के साथ यह फिल्म आत्म-खोज की ऐसी यात्रा प्रस्तुत करती है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक दिल में बनी रहती है।ऊपरी तौर पर कार्स एक रेसिंग कार की कहानी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह उससे कहीं अधिक है। इसके केंद्र में जीवन की रफ्तार को थोड़ा धीमा करके उन चीजों को महत्व देने का संदेश है, जो वास्तव में मायने रखती हैं। लाइटनिंग मैक्वीन और मेटर के बीच की अनमोल दोस्ती तथा एक स्वार्थी रेसर से समुदाय और रिश्तों को महत्व देने वाले इंसान तक की उसकी यात्रा ने इस फिल्म को कालजयी बना दिया। इसने दर्शकों को याद दिलाया कि मंजिल से ज्यादा महत्वपूर्ण सफर होता है। हॉपर्स के साथ पिक्सर ने एक बार फिर अपनी रचनात्मक सीमाओं का विस्तार किया। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपनी चेतना को रोबोटिक जानवरों के शरीर में स्थानांतरित कर सकती है। फिल्म इंसानों और जानवरों के एक ही दुनिया में रहने के बावजूद एक-दूसरे को सही मायनों में न समझ पाने के विचार को सामने लाती है। अपनी कल्पनाशील कहानी के माध्यम से यह फिल्म दिखाती है कि अलग-अलग नजरिए हमें दुनिया को अलग तरह से देखने पर मजबूर करते हैं, और सह-अस्तित्व, संवेदनशीलता तथा सबसे बढ़कर प्रेम का महत्व कितना बड़ा है। टॉय स्टोरी के साथ एनीमेशन को नई परिभाषा देने से लेकर अ बग्स लाइफ में एक स्वतंत्र सोच रखने वाली चींटी, रैटाटुई में एक चूहे के पेशेवर सपनों, इनसाइड आउट में भावनाओं की दुनिया, कार्स और जूटोपिया में यादगार संसारों के निर्माण तथा हॉपर्स जैसी नई कल्पनाओं तक, पिक्सर ने दशकों से यह साबित किया है कि बेहतरीन कहानी कहीं से भी जन्म ले सकती है। हर फिल्म ने कल्पनाशीलता और सार्वभौमिक भावनाओं के मेल से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। जैसे ही टॉय स्टोरी 5 वुडी, बज और उनके साथियों को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आने की तैयारी कर रही है, यह उस फ्रेंचाइजी की याद दिलाती है जिसने यह सफर शुरू किया था और उस कहानी कहने की विरासत का जश्न मनाती है जो आज भी दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है। डिज्नी और पिक्सर की टॉय स्टोरी 5 अंग्रेजी और हिंदी में 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यूपी वाली तहरी 20 मिनट में हो जाती है तैयार, वेजिटेरियन लोगों के लिए बेस्ट रेसिपी

❍ यूपी वाली तहरी एक बहुत ही खुशबूदार और झटपट बनने वाली वन-पॉट मील है। अगर आपके पास समय कम हो और खाने के लिए कुछ बनाना हो तो ये बेस्ट है। यहां सीखे यूपी स्टाइल तहरी बनाने का तरीका।

वैसे तो खाना बनाने में कम ही समय लगता है लेकिन जब मन ना हो और समय सीमित हो तो लगता है कि फटाफट बनने वाली चीजों को तैयार कर लें। ऐसे में आप यूपी स्टाइल तहरी की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। ये स्वाद में काफी अच्छी लगती है। जब आप रोजाना के खाने को खाकर ऊब जाएं तो लंच या डिनर में इसे बनाकर तैयार कर लें। यूपी के घरों में तहरी सालों से बनाई जा रही है। अक्सर लोग तहरी और पुलाव को एक ही समझ लेते हैं क्योंकि दोनों ही चावल और सब्जियों को मिलाकर बनाए जाते हैं। लेकिन इन दोनों के बीच एक बहुत ही स्पष्ट और दिलचस्प फर्क है। ये फर्क मसालों का है। तहरी की सबसे बड़ी पहचान इसका चटक पीला रंग है। इसमें हल्दी का इस्तेमाल काफी ज्यादा मात्रा में किया जाता है। वहीं पारंपरिक पुलाव में हल्दी का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाता और इसका रंग आमतौर पर सफेद या हल्का ऑफ-व्हाइट होता है।

यूपी स्टाइल तहरी बनाने की सामग्री

दो कप बासमती चावल, दो बड़े आलू, एक कप हरी मटर, एक बड़ा प्याज, 2 मीडियम टमाटर, 2से3 हरी मिर्च, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, तीन बड़े चम्मच सरसों का तेल, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, आध छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर, नमक स्वादानुसार, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, एक छोटा चम्मच जीरा, एक तेजपत्ता, एक या दो , एक छोटा टुकड़ा दालचीनी, तीन से चार लौंग, 5 से 6 काली मिर्च के दाने, एक बड़ी इलाइची, 1 चुटकी हींग।

यूपी स्टाइल तहरी बनाने की विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को धोकर छील लें और लंबाई में काट लें और चावल को भी धोकर कम से कम 20 मिनट के लिए भिगो दें। अब कढ़ाई में सरसों का तेल गरम करें। तेल गरम होने पर हींग और सारे खड़े मसाले जीरा, तेजपत्ता, लौंग, काली मिर्च, इलाइची, दालचीनी डालें और चटकने दें। अब इसमें कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालें। प्याज को हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 1 मिनट के लिए भूनें ताकि कच्चापन निकल जाए। अब इसमें कटे हुए टमाटर डालें और सॉफ्ट होने तक पकाएं। इसके पकने के बाद हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। मसालों को तब तक भूनें जब तक कि तेल अलग न होने लगे। इसमें कटे हुए आलू और हरी मटर डालें। सब्जियों को मसाले के साथ 2-3 मिनट तक अच्छे से भूनें और फिर भिगोए हुए चावलों का पानी छानकर कढ़ाई में डाल दें। हल्के हाथों से मिलाएं और साथ ही गरम मसाला पाउडर डाल दें। कुछ देर के लिए चावल को भी सब्जियों के साथ भून लें। फिर इसमें चार कप पानी डालें। अब प्लेट से ढक दें और धीमी आंच पर चावल को पकाएं। चावल पकने के बाद ऊपर से एक चम्मच देसी घी और बारीक कटा हरा धनिया डालें। चटनी या रायते के साथ सर्व करें।

रात के बचे चावल टमाटर-प्याज डालकर ऐसे करें फ्राई, दही के साथ खूब टेस्टी लगेंगे ये राइस

❍ रात के चावल बच गए हैं तो उन्हें कुछ इस तरीके से फ्राई कर के खाएं। इतने चटपटे और टेस्टी बनते हैं कि बिल्कुल रेस्टोरेंट वाले फ्राइड राइस वाला स्वाद आएगा। कुछ चटपटा खाने का मन है तो 5-10 मिनट में आप इन्हें बनाकर तैयार कर सकते हैं।

खाना कितना भी हिसाब से बना लो, थोड़ा बहुत तो बच ही जाता है। खासकर रात में अगर चावल बने हैं तो सुबह थोड़े बहुत जरूर बच जाते हैं। बहुत से लोग इनकी तरह-तरह की डिशेज बना लेते हैं या फिर टमाटर-प्याज डालकर फ्राई कर लेते हैं। इससे काफी टेस्टी फ्राइड राइस बन जाते हैं, जिन्हें बच्चे भी शौक से खा लेते हैं। अब बचे हुए चावल के नॉर्मल फ्राइड राइस तो आपने खूब बनाए होंगे, लेकिन आज वाली रेसिपी थोड़ी सी अलग है। इस तरह अगर आपने चावल फ्राई कर के खा लिए तो यकीन मानिए ये आपके फेवरिट होने वाले हैं। बस थोड़ा सा तरीका अलग है, आपको कोई खास मसाले या सब्जियों की जरूरत नहीं है। रात के चावल ज्यादा बच गए हों या फिर सिंपल चावल खाने का मन ना हो, तो ये चटपटी सी रेसिपी ट्राई करना तो बनता है।

बचे हुए चावल से मसाला पुलाव बनाने की सामग्री

रात के चावल बच गए हैं तो कुछ मसाले डालकर आप टेस्टी से पुलाव या फ्राइड राइस तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हरा धनिया पत्ता, नमक स्वादानुसार, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, सरसों का तेल (1 चम्मच), बारीक कटी हुई 1 प्याज और टमाटर, जीरा, राई (सरसों के दाने), फ्रेश करी पत्ता।

सिर्फ 5-6 चम्मच तेल में बन जाएंगी ढेर सारी फूली-फूली पूड़ियां, ये हैक आपके हजारों रूपए बचा देगा!

❍ पूड़ी बनाने में अक्सर बहुत सारा तेल लग जाता है। ऐसे में ये हैक आपको जरूर जान लेना चाहिए। इस तरीके से आप महज 5-6 चम्मच तेल में ही खूब सारी फूली-फूली पूड़ी बना सकते हैं। पूड़ी एकस्ट्रा तेल भी नहीं सोखेगी और खूब टेस्टी बनेगी।

गरमा-गरम पूड़ियां भला किसे पसंद नहीं। रोटी-पराठे से अलग हटकर कुछ स्पेशल खाने का मन हो, तो घर में अक्सर पूड़ी ही बनती है। वैसे तो रोटी से ज्यादा आसान पूड़ी बनाना है, लेकिन इनमें काफी सारा तेल खर्च हो जाता है। अक्सर लोग बड़ी सी कढ़ाही में खूब सारा तेल भरते हैं, फिर पूड़ी तलना शुरू कर देते हैं। इससे पूड़ी ज्यादा तेल भी सोखती है और फिर जो बाकी का तेल बच जाता है, वो खराब ही होता है। इसे ज्यादा इस्तेमाल में लाना सेहत के हिसाब से भी ठीक नहीं माना जाता। ऐसे में ये हैक आपके बड़े काम आ सकता है। खासकर अगर आप दो तीन लोगों के लिए ही पूड़ी बना रहे हैं, तो इस हैक से काफी सारा तेल बचा सकते हैं। कम तेल में भी काफी फूली-फूली और टेस्टी पूड़ी बनकर तैयार होंगी। आइए जानते हैं कैसे-

पूड़ी तलने के लिए छोटी कढ़ाई या तड़का पैन का इस्तेमाल करें

पूड़ी तलने के लिए अक्सर हम बड़ी कढ़ाही इस्तेमाल करते हैं, जिसमें तेल भी ज्यादा डालना पड़ता है। ऐसे में अगर आप कम लोगों के लिए पूड़ी तल रहे हैं, तो एक छोटी कढ़ाही या तड़का सॉसपैन यूज कर सकते हैं। इसमें कम तेल में भी पूड़ी अच्छी तरह फूलती है और सही से फ्राई भी हो जाती है।

सिर्फ 5-6 चम्मच तेल में बन सकती है पूड़ी

आमतौर पर जब हम पूड़ी तलते हैं तो कढ़ाही में लगभग 400-500 उस तेल एक बार में डाला जाता है। ये तेल पूड़ी तलने के बाद ज्यादा इस्तेमाल में भी नहीं लाया जा सकता है और पूड़ी भी काफी तेल सोख लेती हैं। ऐसे में अगर आप छोटा तड़का सॉसपैन ले रहे हैं, तो उसमें सिर्फ 5 से 6 चम्मच के करीब तेल डालें। इसकी तली गहरी होती है, जिस वजह से कम तेल में ही पूड़ी अच्छी तरह फूलकर फ्राई हो जाती है।

ये ट्रिक किन लोगों के लिए बेस्ट है?

अगर आप ज्यादा लोगों के लिए पूड़ी फ्राई कर रहे हैं, तो ये ट्रिक आपके लिए उतनी इफेक्टिव नहीं होगी। लेकिन हां, अगर सिर्फ 2 से 3 लोगों के लिए पूड़ी बनानी है, तो इसे जरूर ट्राई करें। कम तेल में फूली-फूली और बिल्कुल परफेक्ट पूड़ी बनती हैं। इस छोटे से हैक से आप आराम से 400-500 उस तेल बचा सकते हैं।

पूड़ी कम तेल सोखे इसके लिए जरूरी टिप्स

पूड़ी तलते हुए तेल का सही तापमान काफी मायने रखता है। अगर आप ठंडे तेल में पूड़ी डाल देंगे तो वो ज्यादा तेल सोखेगी और क्रिस्पी भी नहीं बनेगी। वहीं तेल अगर ज्यादा गर्म हुआ तो पूड़ी जल्दी जल सकती हैं। इसलिए हमेशा तेल को मीडियम गर्म होने दें, फिर एक-एक कर के पूड़ी फ्राई करें। कुछ लोग तेल में चुटकी भर नमक भी डालते हैं, इससे भी पूड़ी काफी कम तेल एब्जॉर्ब करती है।

ना दवा, ना कसरत! 60 साल की उम्र में साइकिल चलाकर बुजुर्गों ने दूर किया घुटनों का दर्द, डॉक्टर से जानें कितना सही

❍ कार-बाइक वाले इस दौर में साइकिल कम ही सड़कों पर दिखती है लेकिन इसे चलाने से कई फायदे शरीर को मिलते हैं। फर्रूखाबाद में ऐसे कई बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 60 पार हो चुकी है और साइकिल चलाने से उनके घुटनों का दर्द खत्म हो गया। तो चलिए जानते हैं क्या साइकिलिंग वाकई सेहत के लिए फायदेमंद है।

आजकल के युवा घंटों जिम में पसीना बहाते हैं और उसके बाद भी कभी उनके घुटने में दर्द रहता है, तो कभी मसल्स में। यहां तक कि 2-3 सीढ़ियां चढ़ने में भी अच्छे अच्छों की सांस फूल जाती है। फर्रुखाबाद के बुजुर्गों ने कई किलो मीटर साइकिल चलाकर अपने घुटनों का दर्द कम कर लिया और दवाइयां भी बंद हो गई। जी हां, आपने कई बार सुना होगा कि साइकिल चलाने से शरीर में फुर्ती बनी रहती है और पैर मजबूत होते हैं लेकिन फर्रुखाबाद के 60 के उम्र वाले कई बुजुर्गों ने खुद इस बात को साबित कर दिया है। चलिए आपको बताते हैं क्या वाकई साइकिल चलाकर घुटनों का दर्द कम किया जा सकता है, इस पर डॉक्टर्स का क्या कहना है।

क्या करते हैं बुजुर्ग

ज्यादातर 60 साल की उम्र के हो चुके इन बुजुर्गों का कहना है कि हम अपने जवानी के दिनों से ही 10-15 किमी साइकिल चलाकर आते-जाते थे। वही आदत आज भी लगी हुई है और अब हम लोग सुबह करीब 10 किमी साइकिल चलाते हैं। साइकिल चलाने से घुटनों का दर्द ठीक हो गया और शरीर में आलस की जगह चुस्ती बनी रहती है। एक बुजुर्ग नरदेश कुमार का कहना है कि पहले उनके घुटनों में हल्का-फुल्का दर्द रहता था, जिसकी वह दवाई लेते थे। साइकिल फिर से शुरू करने से घुटनों का दर्द खत्म हो गया और अब उन्हें दवा की जरूरत नहीं पड़ती है।

फ्री वाली कसरत है साइकिलिंग

57 वर्षीय रघुराज सिंह का कहना है कि हमारे लिए साइकिल चलाना मतलब कसरत होता है, जो फ्री है। हम अपने छोटे-मोटे कामों के लिए साइकिल ही लेकर जाते हैं। इसमें ना तो कोई पेट्रोल का खर्चा है और ना ही बैट्री का। बस साइकिल लेकर जाते हैं और काम निपटा लेते हैं, इससे पैर भी सही बने रहते हैं और साथ में ब्लड प्रेशर-शुगर भी कंट्रोल में रहते हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर

साइकिल चलाने से क्या वाकई में घुटनों का दर्द कम हो सकता है। इस बारे में लोहिया अस्पताल के ह्रदय रोग विशेषज्ञ मनोज पांडे ने बताया। उन्होंने कहा- साइकिल चलाने से शरीर को वाकई में कई फायदे मिलते हैं और इससे खासतौर पर पैरों की मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं। आम भाषा में कहे तो साइकिल चलाना एक बेहतरीन कार्डियो और लो-इम्पैक्ट एरोबिक एक्सरसाइज है, जिसे हर उम्र के लोग आसानी से कर सकते हैं। इससे और भी कई फायदे मिलते हैं।

शारीरिक फायदे क्या होते हैं-

1. दिल को रखे स्वस्थ

रोजाना साइकिल चलाने से दिल की कार्यक्षमता बेहतर होती है। जब व्यक्ति रोजाना रूटीन से साइकिलिंग करता है, तो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन तेज और बैलेंस के साथ बना रहता है। इससे दिल मजबूत होता है और हार्ट अटैक, हाई कोलेस्ट्रॉल तथा अन्य दिन से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

2. वजन कम करने में मदद

साइकिल चलाना कैलोरी बर्न करने का एक असरदार तरीका है। डेली साइकिलिंग करने से शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी धीरे-धीरे कम होने लगती है। खासकर पेट, कमर और जांघों के फैट को कम करने में यह काफी मददगार साबित होती है। जो लोग अपना वजन कंट्रोल में रखना चाहते हैं, उनके लिए रोजाना साइकिल चलाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

3. मांसपेशियां मजबूत होती हैं

साइकिल चलाने से शरीर की कई मांसपेशियां एक्टिव बनी रहती हैं। खासतौर पर पैरों, जांघों, कमर और पिंडलियों की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना साइकिलिंग से शरीर में ताकत बढ़ती है और मांसपेशियों की सहनशक्ति भी बेहतर होती है। इससे व्यक्ति लंबे समय तक काम करने में भी कम थकान महसूस करता है।

4. जोड़ों पर कम दबाव

दौड़ने या भारी एक्सरसाइज की तुलना में साइकिल चलाना जोड़ों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें घुटनों और टखनों पर कम दबाव पड़ता है, इसलिए यह बुजुर्गों और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों के लिए भी अच्छा माना जाता है। नियमित साइकिलिंग शरीर को एक्टिव रखती है और जोड़ों की लचक बनाए रखने में मदद करती है।

5. शुगर और बीपी कंट्रोल में मदद

रोजाना साइकिलिंग करने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल बैलेंस रखने में हेल्प मिलती है। इससे डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है। इसके अलावा साइकिल चलाने से ब्लड सर्कुलेशन कंट्रोल में रहता है और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी नहीं होती है।

मानसिक फायदे भी जान लीजिए-

1. तनाव कम करता है

साइकिल चलाने से मन को शांति मिलती है और मानसिक तनाव कम होता है। जब व्यक्ति खुली हवा में साइकिल चलाता है, तो उसका मूड बेहतर होता है। इससे चिंता, तनाव और मानसिक थकान कम होती है। रोजाना साइकिलिंग दिमाग को तरोताजा और पॉजिटिव बनाए रखने में मदद करती है।

2. नींद अच्छी आती है

जो लोग रोजाना एक्सरसाइज करते हैं, उन्हें अच्छी और गहरी नींद आती है। साइकिल चलाने से शरीर की ऊर्जा सही दिशा में इस्तेमाल होती है, जिससे रात में जल्दी नींद आती है और नींद बेहतर होती है। इससे शरीर और मन दोनों को ही आराम मिलेगा।

घर में चूहों की धमाचौकड़ी से हैं परेशान? इन 5 स्मेल से खुद ही भाग जाएंगे दूर

❍ घर में चूहे घुस जाएं तो कपड़ों से लेकर खाने-पीने की चीजों तक का नुकसान कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि कुछ तेज गंध ऐसी होती हैं जिन्हें चूहे पसंद नहीं करते और उनसे दूर रहने की कोशिश करते हैं।

रात को रसोई में कुछ गिरने की आवाज आए या सुबह उठकर देखें कि कपड़े, कागज या खाने की चीजें कुतरी हुई हैं, तो समझ जाइए कि घर में चूहों की मौजूदगी बढ़ रही है। चूहे सिर्फ सामान खराब नहीं करते, बल्कि गंदगी फैलाकर कई तरह की परेशानियां भी खड़ी कर देते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग उन्हें भगाने के लिए तरह-तरह के उपाय खोजते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि चूहों की सूंघने की क्षमता काफी तेज होती है। कुछ गंध ऐसी होती हैं जो उन्हें इतनी तेज और असहज लगती हैं कि वे उन जगहों से दूरी बनाना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही पांच गंध के बारे में, जिनकी मदद से चूहों की परेशानी कुछ हद तक कम हो सकती है।

1. पुदीने का तेल

पुदीने की तेज और ताजगी भरी गंध इंसानों को भले ही अच्छी लगे, लेकिन चूहों के लिए यह काफी असहज हो सकती है। उनकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, इसलिए पुदीने की महक उन्हें परेशान करती है। रुई में इसकी कुछ बूंदें डालकर रसोई, स्टोर रूम या उन कोनों में रख दें जहां चूहे अक्सर दिखाई देते हैं।

2. दालचीनी और लौंग

दालचीनी और लौंग दोनों में प्राकृतिक रूप से तेज खुशबू होती है। यही वजह है कि इनकी गंध चूहों को पसंद नहीं आती। आप इन मसालों को साबुत रूप में चूहों के आने-जाने वाले रास्तों के पास रखते हैं। इनकी महक आसपास के क्षेत्र में फैलती है और चूहों को वहां रुकने से रोकने में मदद कर सकती है। कई लोग इन दोनों का पाउडर भी इस्तेमाल करते हैं।

3. लाल मिर्च

लाल मिर्च में मौजूद तत्व चूहों की नाक और मुंह में जलन पैदा करते हैं। यही कारण है कि चूहे इसके संपर्क में आने वाली जगहों से दूर रहना पसंद करते हैं। जिन जगहों पर चूहों के छिपने की संभावना हो, वहां थोड़ी मात्रा में लाल मिर्च का चूर्ण छिड़क दें।

4. सफेद सिरका

सफेद सिरके की खट्टी और तीखी गंध चूहों को असहज महसूस करा सकती है। इसकी महक इतनी तेज होती है कि चूहों के लिए अपने रास्तों और आसपास की जगह को पहचानना मुश्किल हो जाता है। सिरके में कपड़ा भिगोकर उन जगहों की सफाई कर दें जहां चूहों की आवाजाही ज्यादा है। इससे कुछ समय तक गंध बनी रहेगी और चूहे वहां आने से बच सकते हैं।

5. अमोनिया की गंध

अमोनिया की गंध को चूहे अक्सर खतरे के संकेत की तरह महसूस करते हैं। यह गंध उन्हें किसी बड़े शिकारी की मौजूदगी का एहसास दिलाती है। इसी वजह से चूहे ऐसी जगहों से दूर रहना पसंद करते हैं। हालांकि इसकी गंध काफी तेज होती है, इसलिए इसका इस्तेमाल करते समय कमरे में हवा आने-जाने की व्यवस्था होना जरूरी है।

संक्षिप्त

फीफा विश्व कप के लिए अमेरिका जा सकेगी ईरान की फुटबॉल टीम, खिलाड़ियों को मिला वीजा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के दो अधिकारियों ने बताया कि ईरान की विश्व कप फुटबॉल टीम के सदस्यों को अमेरिका का वीजा मिल गया है। इससे वे इस महीने लॉस एंजिलिस के पास होने वाले अपने शुरुआती दो मैच से पूर्व मैक्सिको के तिजुआना में बने अपने ट्रेनिंग बेस से अमेरिका आ सकेंगे। इस्राइल और अमेरिका के साथ ईरान के युद्ध के कारण विश्व कप में टीम की भागीदारी को लेकर मुश्किलें पैदा हो गई थीं। वीजा प्रक्रिया में दिक्कतों की वजह से ईरान को अपना ट्रेनिंग बेस एरिजोना के टक्सन से हटाकर कैलिफोर्निया की सीमा से लगे मैक्सिको के तिजुआना में ले जाना पड़ा था। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान की टीम के सभी खिलाड़ियों के वीजा मंजूर हो गए हैं और उन्हें वीजा मिलने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरे अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों, कोच, ट्रेनर और कुछ सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा जारी कर दिए गए हैं। दूसरा अधिकारी यह नहीं बता सका कि क्या ईरान के किसी आवेदक का वीजा अस्वीकार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि ईरान की टीम को यात्रा के लिए पासपोर्ट शनिवार तक मिल सकते हैं। तिजुआना के लिए रवाना होने से पहले टीम तुर्किये के अंताल्या में ट्रेनिंग शिविर में विश्व कप की तैयारी कर रही थी। टीम ने बताया कि उसे अंकारा में मैक्सिको के दूतावास से पहले ही वीजा मिल चुका है। तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैराक ने ईरानी टीम को वीजा की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अंकारा में अमेरिकी दूतावास की तारीफ की। बैराक ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, खेल सीमाओं से परे होते हैं और हम दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों और प्रशंसकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। ईरान अपने शुरुआती दो मैच कैलिफोर्निया के इंगलवुड में खेलेगा। पहला मैच 15 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ और दूसरा छह दिन बाद बेल्जियम के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम सिएटल जाएगी जहां 26 जून को उसका मुकबला मिस्र से होगा। अगर दोनों टीम अपने–अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहती हैं तो ईरान और अमेरिका का मुकाबला तीन जुलाई को टेक्सास के अर्लिंग्टन में राउंड ऑफ 32 में हो सकता है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था, लेकिन एफवाई 27 के लिए क्या हैं चुनौतियां?

मुंबई,एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2025–26 में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.7 प्रतिशत की मजबूत विकास दर हासिल की है। हालांकि, जनवरी–मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ के बावजूद, अर्थशास्त्रियों ने आगाह किया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक अनिश्चितता के कारण चालू वित्त वर्ष (FY2026–27) में विकास की यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, FY26 की चौथी तिमाही में GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 8 प्रतिशत के बाद एक मजबूत आंकड़ा है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी के मुताबिक, यह वृद्धि पश्चिम एशिया संकट जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हासिल की गई है और पिछले 10 तिमाहियों के औसत से काफी ऊपर है। डेलॉइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने बताया कि 7.9 प्रतिशत की सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि दर यह दर्शाती है कि अर्थव्यवस्था का विस्तार केवल मांग पर आधारित नहीं है, बल्कि विनिर्माण, निर्माण और सेवा क्षेत्र के मजबूत उत्पादन से भी समर्थित है। मार्च में जब मध्य पूर्व का संकट गहराया, तब भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखकर इसके बड़े असर को सफलतापूर्वक अवशोषित कर लिया। एचडीएफसी बैंक के विश्लेषण के अनुसार, इस शानदार वृद्धि के पीछे निजी उपभोक्ता खर्च और निवेश में हुई भारी बढ़ोतरी मुख्य चालक रही है। विदेशी निवेश प्रवाह को बेहतर बनाने और कर संबंधी चिंताओं को दूर करने के सरकारी उपायों ने भी अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाने में एक ढाल का काम किया है। आने वाले समय को लेकर बाजार में सतर्कता है। क्रिसिल और एचडीएफसी बैंक ने FY27 के लिए क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि कच्चे तेल की औसत कीमत 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेगी। अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट मानना है कि कमजोर वैश्विक विकास, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, बढ़ती लागत और सामान्य से कम मानसून का अनुमान आर्थिक गतिविधियों पर दबाव डाल सकता है। डीबीएस बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव के अनुसार, बाजार अब भविष्य के जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करेगाय यदि महंगाई अनुमानों के अनुरूप बढ़ती है, तो नीति निर्माताओं को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। एचडीएफसी बैंक ने स्पष्ट किया है कि केवल हालिया रुझानों को देखकर भविष्य का सटीक आकलन करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि वैश्विक संघर्ष और आपूर्ति व्यवधान का असली असर आने वाले महीनों के डेटा में नजर आ सकता है। हालांकि, मजबूत घरेलू मांग और सरकार के फ्रंट–लोडेड पूंजीगत व्यय कार्यक्रम की बदौलत भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी एक मजबूत बफर के साथ खड़ी है।

15 साल के सूर्यवंशी की भारतीय टी20 टीम में एंट्री, तोड़ेंगे सचिन का रिकॉर्ड?

मुंबई,एजेंसी। आईपीएल 2026 में दुनिया भर के क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचने वाले 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट में एक और बड़ी छलांग लगा दी है। आईपीएल 2026 में अपने विस्फोटक प्रदर्शन से इतिहास रचने वाले इस युवा बल्लेबाज को पहली बार भारतीय टी20 टीम में जगह मिली है। उन्हें इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के साथ–साथ एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम में चयन के साथ ही वैभव ने यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ भविष्य के सितारे नहीं, बल्कि वर्तमान में भी भारतीय क्रिकेट की सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, निडर अंदाज और बड़े मंच पर दबाव झेलने की क्षमता के दम पर श्बॉस बेबीश के नाम से मशहूर वैभव अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। आईपीएल में रिकॉर्डतोड़ पारियों से सुर्खियां बटोरने वाले इस किशोर बल्लेबाज से अब भारतीय टीम को भी बड़ी उम्मीदें होंगी, क्योंकि उनका सफर घरेलू क्रिकेट से निकलकर विश्व क्रिकेट के मंच तक पहुंच चुका है। आने वाले समय में भारत अपना पहला टी20 मैच आयरलैंड के खिलाफ 26 जून 2026 को खेलेगा। वैभव सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ था। ऐसे में उस दिन उनकी उम्र होगी 15 साल, 2 महीने और 30 दिन। अगर वैभव सूर्यवंशी को उस मैच में डेब्यू का मौका मिलता है, तो वह भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट 16 साल और 205 दिन की उम्र में खेला था। सूर्यवंशी के वैभव की शुरुआत आईपीएल 2025 से हुई थी, जब कुछ मैचों में राजस्थान रॉयल्स ने 14 साल के वैभव को मौका दिया था। हालांकि, 2026 में वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से आईपीएल में जान डाल दी। आईपीएल 2026 ने भारतीय क्रिकेट को एक नया हीरा दिया। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अपनी धांसू बल्लेबाजी से ऐसे कीर्तिमान बनाए हैं, जो शायद ही कोई कभी भूल पाएगा। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज को आने वाले समय का सुपरस्टार माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में वैभव ने बड़े से बड़े गेंदबाज को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 2025 में अपनी अपार प्रतिभा की झलक दिखाने के बाद सूर्यवंशी ने 2026 में अपने खेल को ऐसे स्तर पर पहुंचा दिया, जैसा न केवल आईपीएल में बल्कि किसी किशोर खिलाड़ी से पहले कभी देखने को नहीं मिला था। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने सिर्फ रिकॉर्ड नहीं तोड़े, बल्कि इस प्रारूप के लंबे समय से स्थापित मानकों को नए सिरे से परिभाषित किया।

आईपीएल 2026 में वैभव ने 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। इस सीजन अपनी आखिरी चार पारियों में से तीन में तो वह नर्वस–90 का शिकार हुए। वैभव ने सिर्फ 327 गेंदों का सामना करते हुए 135 बार गेंद को बाउंड्री तक पहुंचाया। इनमें 72 छक्के भी शामिल थे। इतना ही नहीं, उन्होंने छह बार 50 या उससे अधिक का स्कोर बनाया और इनमें एक 36 गेंदों का शतक भी शामिल रहा। इन छह बड़ी पारियों में से चार बार उन्होंने 16 गेंद या उससे कम में अपना अर्धशतक पूरा किया। संख्याओं में देखें तो आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन कुछ ऐसा था। आईपीएल के पिछले 18 सीजन में केवल चार मौकों पर किसी बल्लेबाज ने एक सीजन में उनसे ज्यादा रन बनाए थे। टी20 क्रिकेट में 200 से अधिक स्ट्राइक रेट के साथ 500 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की संख्या बेहद कम है। वैभव सहित केवल चार बल्लेबाज ही ऐसा कर पाए हैं, लेकिन इन चारों में भी 15 वर्षीय सूर्यवंशी का प्रदर्शन सबसे अलग है। उनके 776 रन इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के मुकाबले 38 प्रतिशत ज्यादा है। अभिषेक ने भी आईपीएल 2026 में 204.72 के स्ट्राइक रेट से 563 रन बनाए थे। इस लिस्ट में बाकी दो नाम आंद्रे रसेल (आईपीएल 2019 में 510 रन, स्ट्राइक रेट 204.81) और एलेक्स हेल्स (2017 टी20 ब्लास्ट में 507 रन, स्ट्राइक रेट 204.43) हैं। वैभव के स्ट्राइक रेट के सबसे करीब पहुंचने वाले बल्लेबाज जेक फ्रेजर–मैकगर्क रहे, जिन्होंने आईपीएल 2024 में 234.04 के स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। लेकिन रनों के मामले में वह भी काफी पीछे रह गए। टी20 टूर्नामेंटों के इतिहास में अब तक 20 बार ऐसा हुआ है जब किसी बल्लेबाज ने 200 से अधिक स्ट्राइक रेट के साथ 300 या उससे ज्यादा रन बनाए हों। इनमें केवल एक बल्लेबाज ने वैभव से ज्यादा स्ट्राइक रेट दर्ज किया है। वह बल्लेबाज हैं अभिषेक शर्मा, जिन्होंने 2026 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 247.15 के स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए थे। हालांकि, किसी भी बल्लेबाज ने किसी प्रतियोगिता में कम से कम 10 पारियां खेलते हुए 230 से अधिक का स्ट्राइक रेट बनाए नहीं रखा।

इंग्लैंड–आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित, श्रेयस कप्तान, तिलक होंगे उपकप्तान

लंदन,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ऐसा बयान दिया है जिसे कई लोग क्रिकेट की मर्यादा के खिलाफ मान रहे हैं। वॉन ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने बेवकूफी की, क्योंकि अगर वह वेस्टइंडीज से हार जाते तो भारत सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाता। एक क्रिकेट पॉडकास्ट में बात करते हुए माइकल वॉन ने कहा कि टूर्नामेंट में सबसे बड़ी गलती दक्षिण अफ्रीका की टीम ने की। उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं, टूर्नामेंट की सबसे बेवकूफ टीम कौन थी– दक्षिण अफ्रीका। अगर उन्होंने सुपर–8 में वेस्ट इंडीज को जीतने दिया होता, तो भारत बाहर हो जाता। वॉन के मुताबिक अगर दक्षिण अफ्रीका उस मैच में हार जाता तो वेस्टइंडीज की टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाती और भारत का अभियान वहीं खत्म हो जाता। वॉन ने अपने बयान में आगे कहा कि किसी भी टूर्नामेंट को जीतने के लिए सबसे मजबूत टीम को रास्ते से हटाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने भारत को बाहर कर दिया होता तो जो लहर चल रही थी वह रुक जाती। टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका उन्हें बाहर करना था। दक्षिण अफ्रीका ने वह मौका गंवा दिया। वॉन ने यह भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद भारत का आत्मविश्वास और बढ़ गया और टीम ने लगातार मैच जीतते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। वॉन ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर, भारतीय टीम की जीत का सिलसिला जारी रहने दिया। इंडिया ने फिर जिम्बाब्वे को हराया, फिर एक तरह के क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज को, और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया। हालांकि, वॉन का यह बयान काफी विवादास्पद माना जा रहा है, क्योंकि किसी टीम का जानबूझकर मैच हारना क्रिकेट के नियमों और खेल भावना के पूरी तरह खिलाफ है। आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के अनुसार अगर किसी टीम या खिलाड़ी पर

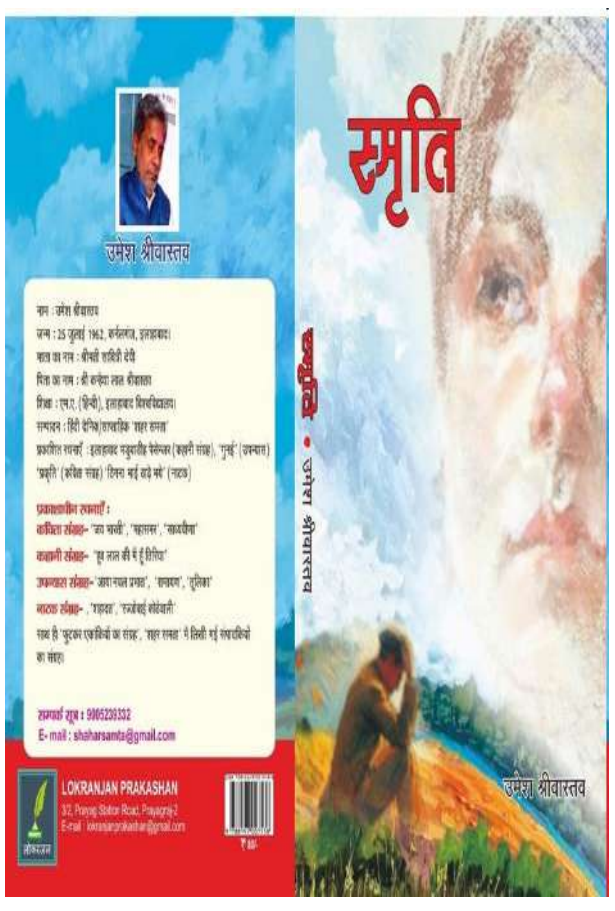

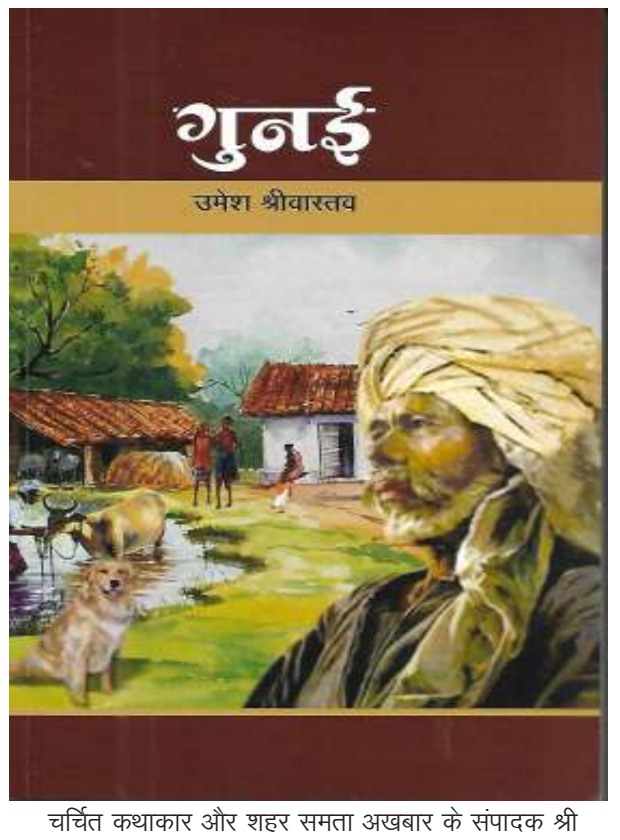

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

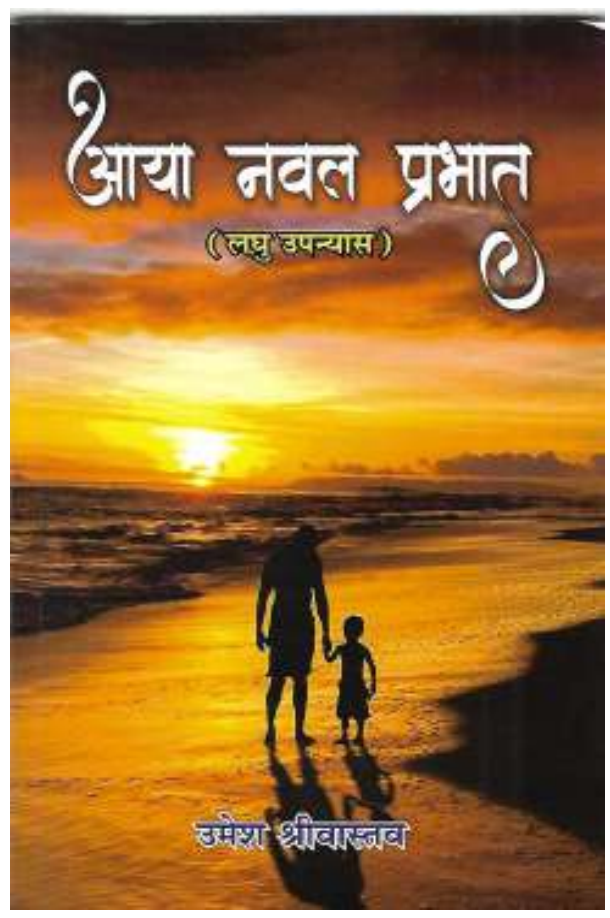

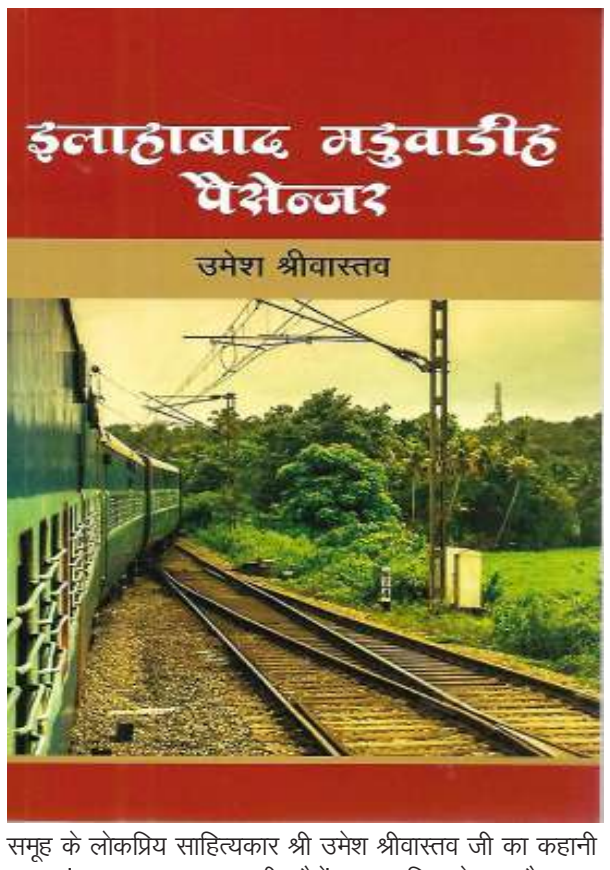

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

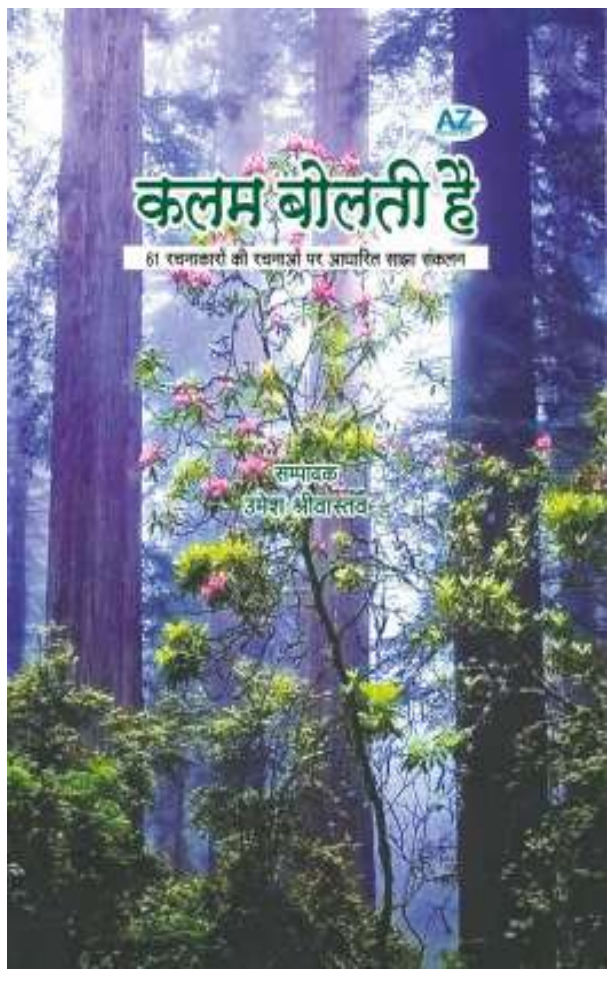

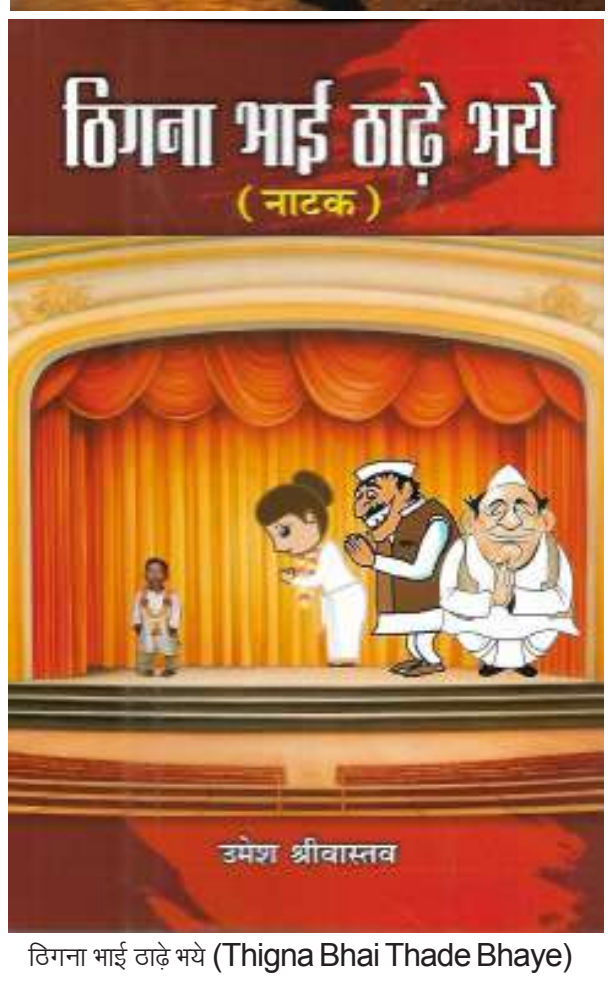

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

युद्ध विराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ। हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया? इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा–तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव? बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है। लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान–हिजबुल्ला पर क्या कहा? लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है। पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग–अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा।

संक्षिप्त

अमेरिका में छाया भारतीय आमों का जादू: दो घंटे में बिका पूरा स्टॉक, अल्फांसो से दशहरी तक के दीवाने हुए अमेरिकी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय आम का स्वाद अब अमेरिका में भी लोगों को खूब पसंद आने लगा है। अमेरिका के सिएटल शहर में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित मैंगो मैजिक कार्यक्रम में भारतीय आमों की ऐसी धूम मची कि अमेरिकी

ग्राहक और बड़े रिटेल कारोबारी भी इसके दीवाने हो गए। कार्यक्रम में भारत की सात प्रीमियम आम किस्मों को पेश किया गया, जिनमें अल्फांसो, केसर, दशहरी और लंगड़ा जैसे मशहूर आम शामिल थे। खास बात यह रही कि अमेरिकी रिटेल कंपनी कॉस्टको के स्टोर में भारतीय आम पहुंचते ही सिर्फ दो घंटे के भीतर पूरा स्टॉक बिक गया। इससे साफ हो गया कि भारतीय आमों की मांग अब वैश्विक बाजार में तेजी से बढ़ रही है। मैंगो मैजिक कार्यक्रम में क्या खास रहा?

सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने श्मैंगो मैजिकरू प्रमोशन एंड टेस्टिंग इवेंट ऑफ इंडियन मैंगोजश का दूसरा संस्करण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारतीय फलों के बड़े आयातकों और अमेरिकी रिटेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में महाराष्ट्र का अल्फांसो और केसर, आंध्र प्रदेश का बंगनपल्ली और हिमायत, उत्तर प्रदेश का लंगड़ा और दशहरी तथा गुजरात का राजापुरी आम पेश किया गया। लोगों ने इन आमों का स्वाद चखा और भारतीय व्यंजनों में आम से बने खास पकवानों का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय आमों को अमेरिकी बाजार में और ज्यादा लोकप्रिय बनाना था। अमेरिकी बाजार में भारतीय आमों की मांग क्यों बढ़ रही है? अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के उप–राज्यपाल डेनी हेक ने भारतीय आमों की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब कभी आमों की उपलब्धता का पहला दिन नहीं छोड़ेंगे। वहीं कॉस्टको के फ्रेश प्रोड्यूस विभाग के उपाध्यक्ष बॉब हस्की ने कहा कि उनकी कंपनी ने हाल ही में भारतीय केसर आम बेचना शुरू किया और मांग इतनी ज्यादा रही कि स्टॉक तुरंत खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि कंपनी भारतीय आम बेचकर बेहद खुश है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय आमों को अमेरिका में शानदार प्रतिक्रिया मिली हो। इससे पहले भी भारतीय फलों और कृषि उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। कौन–कौन से शहरों में पहुंचे भारतीय आम? कॉस्टको ने हाल ही में अमेरिका के कई बड़े शहरों में भारतीय केसर आमों की पहली खेप पहुंचाई। इनमें सिएटल, लास वेगास, न्यू जर्सी और लॉस एंजेलिस जैसे बड़े शहर शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक, इन स्टोर्स में भारतीय आमों का पूरा स्टॉक सिर्फ दो घंटे में बिक गया। इससे यह साफ संकेत मिला कि भारतीय आम अमेरिकी ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास पिछले साल से लगातार अमेरिकी कंपनियों और आयातकों के साथ मिलकर भारतीय आमों को अमेरिकी बाजार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था। 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं। वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए। विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

`कूटनीति से ही समाधान संभव': UN से सम्मानित मेजर अभिलाषा का शांति संदेश, लेबनान के पुनर्निर्माण की बताई जरूरत

एजेंसी/भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक ने लेबनान में शांति बहाली और पुनर्निर्माण के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा है कि युद्ध प्रभावित देश में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बातचीत और युद्धविराम का जारी रहना बेहद जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात मेजर बराक ने कहा कि संघर्ष समाप्त होने के बाद केवल सड़कों और घरों का पुनर्निर्माण ही नहीं, बल्कि युद्ध के मानसिक आघात से जूझ रहे लोगों को भी सामान्य जीवन में लौटाने की आवश्यकता होगी। क्या बोलीं मेजर अभिलाषा? शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेजर बराक ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, कूटनीति सक्रिय होगी और युद्धविराम जारी रहेगा। इसके बाद हम समुदाय के पुनर्निर्माण पर ध्यान दे सकेंगे। इसमें सिर्फ बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि लोगों के मनोवैज्ञानिक घावों को भरना भी शामिल है। मेजर अभिलाषा को संयुक्त राष्ट्र से मिला सम्मान मेजर अभिलाषा बराक को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की ओर से वर्ष 2025 का शमिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयरश पुरस्कार प्रदान किया गया। उनकी सराहना करते हुए गुटेरेस ने उन्हें एक आदर्श उदाहरण बताया और कहा कि उन्होंने अग्रिम मोर्चे पर कमांडर के रूप में हजारों महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाकर शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। मेजर बराक वर्तमान में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईफिल) में भारतीय बटालियन के साथ एंगेजमेंट टीम कमांडर और जेंडर फोकल प्वाइंट के रूप में तैनात हैं। यूएनआईफिल दक्षिणी लेबनान में कार्यरत है, जहां ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इस्राइल के बीच संघर्ष लगातार बढ़ा है। यह संयुक्त राष्ट्र के सबसे खतरनाक शांति अभियानों में से एक माना जाता है और मार्च से अब तक सात शांति सैनिकों की मौत हो चुकी है। लेबनान में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से युद्धविराम लागू हुआ था, हालांकि इसके उल्लंघन की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। संघर्ष के कारण लेबनान के बड़े हिस्से में भारी तबाही हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कर रही हैं अथक प्रयास मेजर बराक ने अपने कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता स्थानीय समुदाय, विशेषकर महिलाओं और किशोरियों के साथ संवाद स्थापित करना था, क्योंकि कई महिलाएं पुरुष शांति सैनिकों के साथ बातचीत करने में सहज नहीं थीं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान, शारीरिक फिटनेस गतिविधियां, मनोरंजक कार्यक्रम और सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मेजर अभिलाषा बराक भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उन्होंने बताया कि वह एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के रूप में भी सेवाएं दे चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र मिशन में उनके योगदान को महिलाओं के सशक्तिकरण और समुदायों में विश्वास निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

जिनपिंग के दौरे से पहले किम जोंग का शक्ति प्रदर्शन, नए युद्धपोत की दिखाई झलक, कई बड़े एलान भी

सियोल,एजेंसी। उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने देश के नए 5,000 टन क्षमता वाले विध्वंसक युद्धपोत श्कांग कोनश के समुद्री परीक्षणों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने परमाणु हथियारों से लैस नौसेना के निर्माण की योजना को और तेज करने का संकल्प जताया।

सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम ने गुरुवार को युद्धपोत का दौरा किया और कहा कि उत्तर कोरिया को ऐसी नौसैनिक शक्ति विकसित करनी होगी जो किसी भी समय समुद्र के ऊपर या नीचे से दुश्मन को करारा जवाब देने में सक्षम हो। किम ने क्या बताया? किम ने बताया कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नई पांच वर्षीय रक्षा योजना में नौसेना के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत 10,000 टन श्रेणी के बड़े युद्धपोतों के निर्माण और नए प्रकार के पानी के भीतर संचालित हथियार विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में नौसेना की भूमिका लगातार बढ़ेगी। इस दौरान किम की किशोर बेटी किम जू ए भी उनके साथ दिखाई दीं। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का मानना है कि उन्हें भविष्य के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग करने वाले हैं उत्तर कोरिया का दौरा यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को उत्तर कोरिया की यात्रा करने वाले हैं। हाल ही में उत्तर कोरिया ने एक नए यूरेनियम संवर्धन केंद्र का भी खुलासा किया था, जहां किम ने देश की परमाणु क्षमता को "तेजी से बढ़ाने" का संकल्प व्यक्त किया था। कांग कोन उत्तर कोरिया का दूसरा नया विध्वंसक युद्धपोत है। पिछले वर्ष इसके लॉन्चिंग समारोह के दौरान तकनीकी गड़बड़ी के कारण इसे नुकसान पहुंचा था, जिसके बाद किम ने घटना को अपराध करार दिया था। मरम्मत के बाद इसे दोबारा लॉन्च किया गया, हालांकि कुछ विशेषज्ञ अब भी इसकी पूर्ण परिचालन क्षमता पर सवाल उठा रहे हैं। उत्तर कोरिया ने भविष्य में इसी श्रेणी के दो और युद्धपोत बनाने की योजना भी घोषित की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

`परमाणु हथियार बनाने की स्थिति में नहीं तेहरान': ट्रंप का बड़ा दावा- लगभग खत्म हो चुकी है ईरान की मिसाइल ताकत

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि हालिया संघर्ष के बाद ईरान की मिसाइल क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अब ईरान के पास पहले की तुलना में केवल एक छोटा हिस्सा ही बचा है। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान फिलहाल परमाणु हथियार विकसित करने की स्थिति में नहीं है। एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम मीट द प्रेस को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की सैन्य क्षमता को पूरी तरह तबाह कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के पास अब अपनी पुरानी मिसाइल क्षमता का केवल 21 से 22 प्रतिशत हिस्सा ही बचा है। ट्रंप ने कहा कि उनके पास अब भी काफी मिसाइलें हैं, लेकिन जब हमने हमला शुरू किया था, तब जितनी थीं, उतनी नहीं हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित अपनी 33 में से 30 मिसाइल साइटों पर फिर से परिचालन नियंत्रण स्थापित कर लिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान के पास संघर्ष से पहले के मिसाइल भंडार का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अब भी मौजूद है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव पर ट्रंप ने भरोसा जताते हुए कहा कि स्थिति जल्द सामान्य हो जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि उनकी सरकार ने कितने वाणिज्यिक तेल टैंकरों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया है, तो उन्होंने कहा कि बहुत सारे। मैं संख्या नहीं बताना चाहता, लेकिन काफी अधिक। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय तनाव जल्द खत्म होगा और इसके बाद तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। ट्रंप के मुताबिक जब स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी, तब तेल की कीमतें पहले से भी कम हो सकती हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका में पेट्रोल और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी घरेलू राजनीतिक दबाव का सामना कर रहे हैं। आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई और ऊर्जा कीमतें प्रमुख राजनीतिक मुद्दे बनी हुई हैं। इस बीच, शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने ईरान से जुड़े हालात पर भी सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति काफी अच्छी लग रही है। हालांकि उन्होंने इस पर कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने इस दौरान अमेरिकी अर्थव्यवस्था और रोजगार के आंकड़ों की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हाल में जारी रोजगार रिपोर्ट उम्मीद से कहीं बेहतर रही है। राष्ट्रपति ने दावा किया कि पूरे अमेरिका में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में निवेश तेजी से बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में नई फैक्ट्रियां स्थापित की जा रही हैं।

उन्होंने अपनी आर्थिक नीतियों को निवेश और विकास का कारण बताते हुए कहा कि मजबूत रोजगार आंकड़े अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि आर्थिक विकास का मतलब हमेशा महंगाई बढ़ना नहीं होता और मजबूत अर्थव्यवस्था को वित्तीय बाजारों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाना चाहिए। साथ ही ट्रंप ने संकेत दिया कि वह ब्याज दरों में कटौती देखना चाहेंगे, हालांकि उन्होंने माना कि इस संबंध में अंतिम फैसला अमेरिकी केंद्रीय बैंक के पास है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उनकी सरकार का ध्यान आर्थिक प्रदर्शन, ऊर्जा बाजार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति और विदेश नीति से जुड़े कई अहम मुद्दों पर केंद्रित है।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्का, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी–अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

पुतिन ने कराया भारत की ताकत का अहसास, बोले- US ने पीएम मोदी पर लगाया था प्रतिबंध आज हालात अलग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर भारत और भारतीयों की खुलकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच दशकों पुराना भरोसेमंद और भाईचारे वाला संबंध है, जो समय के साथ और मजबूत हुआ है। पुतिन ने भारतीयों की प्रतिभा, शिक्षा और तकनीकी कौशल को विश्व स्तर पर पहचान मिलने की बात कही। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि 1947 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से भारत और रूस के रिश्ते लगातार मजबूत बने हुए हैं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।